

आज वेवाक

महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव निपटने के बाद अब सभी राजनीतिक दलों का ध्यान नई दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव पर केन्द्रित हो गई है। इसके लिए राजनीतिक बिसात बिछ चुकी है। शह और मात का खेल शुरू हो गया है। एक दशक से सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने प्रत्याशियों की पहली सूची भी जारी कर दी है। इससे नाराज कांग्रेस ने वहां एकला चलो रे की नीति पर चलने के संकेत दिए हैं। यदि ऐसा हुआ तो भाजपा के लिए दो की लड़ाई में तीसरे को फायदा वाली कहावत चरित्रार्थ हो सकती है।

यौन उत्पीड़न अधिनियम के क्रियान्वयन सुको का निर्देश

नयी दिल्ली (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने कार्यस्थल पर महिलाओं को उत्पीड़न से बचाने के लिए बनाए गये महिला यौन उत्पीड़न (रोकथाम, संरक्षण और निवारण) अधिनियम-2013 को पूरे देश में एक समान रूप से लागू करने में चुनौतियों के मद्देनजर इस कानून को मजबूत बनाने के लिए मंगलवार को कई दिशानिर्देश जारी किये। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की खंडपीठ ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को अधिनियम के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए हर जिले में जिला अधिकारियों को नियुक्ति सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये हैं। धारा पांच के प्रावधानों के तहत इन अधिकारियों को आंतरिक शिकायत समितियों के बिना जिलों में कार्यस्थल उत्पीड़न की शिकायतों को दूर करने के लिए धारा छह में निर्धारित स्थानीय समितियों का गठन करना आवश्यक है।

ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी आगरा (ए.)। आगरा के ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी आज यानी मंगलवार को ईमेल के जरिए आई है। धमकी को लेकर एसीपी ताज सुरक्षा सैफद अरीब अहमद ने कहा कि मंगलवार को पर्यटन विभाग को ईमेल मिला है, जिसमें इसे बम से उड़ाने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने ताजमहल थाने में एक मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच की जा रही है। फिलहाल ताजमहल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पूर्व सीएम मुंडा के भाई का निधन रांची/नवप्रदेश। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री अजुन मुंडा के बड़े भाई भीमसेन मुंडा का मंगलवार तड़के जमशेदपुर टाटा मोटर्स अस्पताल में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन की खबर सुनकर सीएम हेमंत सोरेन, ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शोक व्यक्त किया है।

पूर्व सीबीआई डायरेक्टर विजय शंकर का निधन नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पूर्व डायरेक्टर विजय शंकर का मंगलवार सुबह निधन हो गया है। उनकी अगुआई में सीबीआई ने आरुंधी-हेमकांड हत्याकांड, मालेगांव धमाका और मक्का मस्जिद जैसे मामलों की जांच की। जानकारी के मुताबिक ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके परिवार के सदस्य ने कहा, यह बहुत ही दुख की घड़ी है। यथार्थ अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उनके परिवार ने बताया कि विजय शंकर की आखिरी इच्छा थी कि उनके अंग एम्स को दान कर दिए जाएं। वह पैक्रियाटिक कैसर से पीड़ित थे और लंबे समय से इलाज चल रहा था।

गारमा-गारम

सर्वदलीय बैठक से नहीं बनी बात, संसद में आर-पार

हमने संसद चलाने देने का वादा तो किया था पर ये नहीं बोला था कि सुचारु रूप से चलने देंगे..

विपक्ष

संसद

स्टार्ट-अप और वोकल-फॉर-लोकल के स्वदेशी भाव ने देश की अर्थव्यवस्था को किया इंग्लैंड से आगे : सीएम यादव

उद्यमशीलता के संवर्धन का सशक्त माध्यम हैं मेले

मुख्यमंत्री बालाघाट में स्वदेशी मेले में हुए शामिल

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी

स्टार्ट-अप, मेक-इन-इंडिया और वोकल-फॉर-लोकल के प्रेरणादायक आह्वान ने देश में उद्यमिता के पुनर्जागरण की अलख जगाई है। भारत आज इंग्लैंड को पीछे छोड़कर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को बालाघाट में स्वदेशी मेले को संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव ने मेले में शासकीय विभागों

की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। साथ ही युवाओं को ऑफर लेटर और दिव्यांगता प्रमाण-पत्र प्रदान किए और उपस्थित युवाओं से संवाद किया। स्वदेशी विचारक श्री भैया जी जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने स्वदेशी मेले में आने के लिए श्री भैयाजी जोशी का आभार माना।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि

मेला का अर्थ मेल-जोल है और इसमें व्यापार के साथ ही सांस्कृतिक मेलजोल को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेले का प्रारंभ वर्ष 1999 से निरंतर विभिन्न स्थानों पर किया जा रहा है। मुम्बई से प्रारंभ स्वदेशी मेले में स्वदेशी उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय से छोटे-बड़े उद्योगों को बल मिला है। यह केवल मेला ही नहीं शेष पृष्ठ 5 पर

लोकसभा में संभल मुद्दे पर विपक्ष का वॉकआउट, फिर वापस लौटे

लोकसभा में रार, बरकरार

● बार-बार वॉकआउट के चलते प्रश्नकाल में जनहित के मुद्दों पर चर्चा अधूरी

दिल्ली (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के संभल में हाल ही में हुई हिंसा को लेकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत लोकसभा में लगभग पूरा विपक्ष मंगलवार को कुछ देर के लिए वॉकआउट कर गया। सदन जैसे ही प्रश्नकाल के लिए बैठा, समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव खड़े हो गए और उन्होंने इस मुद्दे पर स्पीकर ओम बिर्ला से बोलने की अनुमति मांगी।

यादव ने कहा, 'यह बहुत गंभीर मामला है। पांच लोगों की जान चली गई है। स्पीकर ने कहा कि सदस्य इस मुद्दे को शून्यकाल में उठा सकते हैं, जिसके बाद यादव और उनके सहयोगियों ने वॉकआउट करना शुरू कर दिया। कुछ सपा सदस्य नारेबाजी करते हुए वेल में चले गए।

सपा के सदस्य जब वेल में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, तब डीएमके सदस्य ए राजा कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी सदस्यों से अपनी सीटों से उठकर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का आग्रह करते देखे गए। सपा सांसदों के समर्थन में एनसीपी और



हंगामे के बीच अडाणी और संभल हिंसा मुद्दे पर विपक्ष प्रदर्शन

सपा-टीएमसी ने किया प्रदर्शन से किनारा

अखिलेश बोले- चुनाव था, इसलिए संभल में हुई हिंसा

संसद के शीतकालीन सत्र का मंगलवार को छठवें दिन सदन शुरू होने से पहले विपक्षी इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने अडाणी और उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रिंक्स गांधी बाड़ा शामिल हुए। सपा और टीएमसी के सांसद नहीं आए। लोकसभा में उत्तर प्रदेश में संभल हिंसा पर बोलते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि संभल में जो घटना हुई है, वह एक सोची समझी साजिश है। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि उत्तर प्रदेश में चुनाव था। संभल में भाईचारे को गोली मारने का काम हुआ है। भाजपा और उसके सहयोगी दलों द्वारा पूरे देश में खुदाई की बातें देश के भाईचारे को खो देगी।

शिवसेना-यूबीटी के सदस्य खड़े हो गए। कांग्रेस के कुछ सदस्य भी खड़े हो गए और गांधी विरोध प्रदर्शन के समर्थन में

राज्यसभा : इस सत्र में पहली बार वली सुचारु कार्यवाही

अडानी समूह की कथित अनियमितताओं, संभल तथा मणिपुर की स्थिति, वायनाड और फेनल के कारण आयी आपदा जैसे मुद्दों पर नियम 267 के अंतर्गत चर्चा कराने की मांग पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच बना गतिरोध मंगलवार को राज्यसभा में दूर हो गया और सभापति ने सदस्यों को इनमें से कुछ विषयों पर शून्यकाल के दौरान अपनी बात रखने की अनुमति दे दी, जिससे शीतकालीन सत्र में पांच दिन के बाद पहली बार सदन की कार्यवाही सुचारु ढंग से चली।

विपक्षी सदस्यों के इन मुद्दों पर चर्चा कराने की मांग पर अड़े रहने के कारण सत्र के पहले पांच दिन हंगामे के कारण कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी जिससे सदन में विधायी कामकाज नहीं हो सका। सभापति जगदीप धनखड़ ने आज जरूरी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जाने के बाद विधायी कामकाज शुरू करते हुए बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत कार्यस्थान प्रस्ताव के 42 नोटिस मिले हैं। इनमें अजमेर शरीफ, संभल की स्थिति, मणिपुर की स्थिति, ओडिशा को विशेष दर्जा देने।

कानून की नजर में सब बराबर होते हैं : मोदी



नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब के चंडीगढ़ पहुंचे। यहां पर तीन नए आपराधिक कानूनों के सफल कार्यान्वयन के लोकार्पण के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक ऐसे वक्त में जब देश विकसित भारत का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है, जब संविधान के 75 वर्ष हुए हैं, तब संविधान की भावना से प्रेरित 'भारतीय न्याय संहिता के प्रभाव का प्रारंभ होना, बहुत बड़ी बात है।

पीएम मोदी ने कहा, पहले अपराधियों से ज्यादा डर निंदीषों में रहता था। कई अहम कानून चर्चा से दूर हैं। अनुच्छेद 370, ट्रिपल तलाक पर खूब चर्चा हुई और आजकल वक्क संशोधन विधेयक पर चर्चा हो

सबसे आगे बैठेंगे पीएम मोदी, प्रियंका गांधी वाइफ को मिली सीट नंबर 517

लोकसभा ने ससटो के लिए सीटों का आवंटन पूरा हो चुका है। तजा व्यवस्था के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहले की तरह 1 नंबर सीट आवंटित की गई है। जबकि, संसद की नई सदस्य वायनाड से उपचुनाव जीतने वाली प्रियंका गांधी बाड़ा को 517 नंबर की सीट आवंटित की गई है। विपक्षी दलों ने कावेरी साइट राहुल गांधी सबसे पहले पवित में होंगे।

गडकरी की बदली सीट

लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी

10 हजार के इनामी कमांडर सहित तीन नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के थाना मिरतुर एवं नेलसनार की अलग-अलग कार्रवाई में 10 हजार के इनामी नक्सली जनताना सरकार सदस्य एवं सीएनएम कमांडर सहित तीन नक्सली को पुलिस ने गिरफ्तार कर अदालत के समक्ष पेश किया गया।

पुलिस के अनुसार, जिले में माओवादियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत एक दिसंबर को थाना मिरतुर एवं 15/ई कंपनी छसबल चेरली की संयुक्त टीम साप्ताहिक बाजार प्रबंध पिनकोडा, एरिया डमीनेशन पर निकली थी और वापस लौटते समय पाटलीगुड़ा पुलिस के पास उन्हें दो संधिध व्यक्ति दिखे जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे थे। उन्हें पकड़ लिया गया और जांच में, उनके पास से पांच किग्रा का टिफिन बम, कार्बक्स वायर बरामद किया गया। पुलिस ने मौके पर ही विस्फोटक के साथ दो माओवादी जन मिश्रिया सदस्य सुरेश कारम, राजेश माडवी को गिरफ्तार किया और एक अन्य माओवादी

नक्सलियों के नापाक मंसूवे नाकाम, सुरक्षाबलों को मिले 3 आईईडी



फरसगांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के कोडगांव जिले में सुरक्षाबलों को एक बड़ी सफलता मिली है। कोडगांव जिले और कोटेर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में गस्त दौरान 2.2 किग्रा के 3 नग आईईडी बरामद किया। बताया जा रहा है कि, नक्सलियों ने सुरक्षाबलों नुकसान पहुंचाने के विचार से आईईडी लगाया था। बौदीएस की टीम ने मंगलवार को गस्त कर दिया। वाम माडगांव के प्लाटी क्षेत्र में आईईडी लगाया गया था। एसडीओपी अजित धिरकजी के नेतृत्व में जवान गस्त में निकले थे। मामला ध्वोरा जवान क्षेत्र का है।

जवानों को मिली बड़ी सफलता : वही रविवार को छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर

दुर्घटना में पांच एमबीबीएस छात्रों की मौत

अलपुड़ा (वार्ता) केरल के अलपुड़ा जिले में सोमवार रात एक कार और राज्य परिवहन की बस की भिड़त में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के पांच छात्रों की मौत हो गयी। सूत्रों के अनुसार दुर्घटना के समय बस में सवार 15 यात्री और कार में सवार छह छात्र भी घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना कल रात उस समय हुई जब यहां भारी बारिश हो रही थी। गुरुवार-कायमकुलम फास्ट पैसंजर बस ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें 11 लोगों में से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और अन्य घायल हो गए। उन्हें वंदनम के टीडी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान दो और लोगों की मौत हो गयी। इस घटना के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को मौके से हटवाया। उन्होंने बताया कि मृतकों में मलप्पुरम के कोट्टाकल निवासी देवानाथ (19), फलक्कड़ के शेखरीपुरम निवासी श्रीदेव वाल्सन (19),

अभी टला नहीं चक्रवात 'फेंगल' का खतरा

नई दिल्ली। उत्तर भारत में सर्दियां दस्तक दे चुकी हैं। लोग गर्म कपड़ों, रजाई और कंबल पर आश्रित हो रहे हैं। वहीं दक्षिण भारत में चक्रवात और भारी बारिश ने लोगों को परेशान किया है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने केरल के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। विभाग ने खासकर केरल और माहे में बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया है, जबकि तटीय कर्नाटक, दक्षिण

राहुल ने चक्रवात फेंगल से उपजी त्रासदी पर जताया शोक

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान के कारण लोगों को हुई जान-माल की हानि पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से राहत और बचाव में प्रशासन की मदद करने का आग्रह किया है। श्री गांधी ने यहां जारी एक बयान में कहा कि तमिलनाडु में चक्रवात फेंगल की विनाशकारी खबर। इस त्रासदी के दौरान अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ भी हैं जिनके घर और संपत्ति को नुकसान पहुंचा है।



आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

इस बार कम पड़ेगी सर्दी: वहीं मौसम विभाग के मुताबिक,

इस साल दिसंबर 2024 से फरवरी 2025 तक सर्दी का मौसम कुछ नरम रहने की उम्मीद है। देश के ज्यादातर हिस्सों में ठंड की तीव्रता कम होगी और न्यूनतम तापमान औसत से ज्यादा रहेगा। जहां आमती पर सर्दियों में 5-6 दिन शीतलहर चलती है, इस बार यह संख्या घटकर 2-4 दिनों तक सीमित रह सकती है। दक्षिण प्रायद्वीपीय इलाकों में हालांकि सामान्य या उससे कम तापमान रहने की संभावना है।

मोदी ने तमिलनाडु में बाढ़ की स्थिति पर स्टालिन से की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में बाढ़ की स्थिति पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से बातचीत की है। यह जानकारी यहां अधिकारी सूत्रों ने दी। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि मोदी ने स्टालिन को बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए केन्द्र की ओर से हर संभव सहायता और सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

जाते-जाते बाइडेन यूक्रेन को दे गए घातक हथियार

● भड़क उठे मानवाधिकार संगठन

वॉशिंगटन (ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अगले महीने खतम हो रहे अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में यूक्रेन को 725 मिलियन डॉलर यानी करीब 6139 करोड़ रूपए की बड़ी सैन्य मदद देने जा रहे हैं। इसका उद्देश्य युद्ध के मैदान में न केवल रूस का मुकाबला करना है बल्कि कोव को रणक्षेत्र में आगे बढ़ाना है। इस सहायता पैकेज के साथ अमेरिका यूक्रेन को कई किस्म के हथियार भी उपलब्ध करा रहा है, जिसमें कई ड्रोन रोभी सिस्टम, हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम और एंटी पैर्सनल लैंड माईंस भी शामिल है।



राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा HIMARS जैसे घातक हथियार सौंपने के बाद चर्चा का बाजार गर्म है और आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम को लेकर कई किस्म की अटकलें लगाई जा रही है, जिसकी लंबी दूरी की मारक क्षमता है। यूक्रेन लंबे समय से इसका इस्तेमाल रूस के खिलाफ 186 मील अंदर तक करना चाह रहा है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यूक्रेन को भेजे जा रहे इस सैन्य खेप में ATACMS को शामिल किया जा रहा है या नहीं।

फेंगल से तमिलनाडु-पुडुचेरी में बाढ़ का कहर, 5 की मौत,केरल-कर्नाटक में भी चेतावनी



■ न्यूज गैलरी

लापता मैतेई शख्स की सेना के 2000 जवान कर रहे तलाश

इंफाल। मणिपुर में लापता मैतेई शख्स की तलाश बड़े पैमाने पर की जा रही है, इसमें सेना के करीब 2000 जवान, शिकारी कुत्ते और ड्रोन की मदद से खोजबीन जारी है। सेना के अनुसार, असम के कछार जिले के मूल निवासी लैशराम कमलबाबू सिंह, जो इंग्लत पश्चिम के खुखरुल में रहते थे, 57वें माउंटेन डिवीजन के लेइमाखोंग सैन्य स्टेशन में मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज (एमईएस) के साथ काम करने वाले एक ठेकेदार के लिए कार्य पर्यवेक्षक थे। इस मामले में मुख्यमंत्री एन बोरैन सिंह ने कहा था कि वह सैन्य स्टेशन से लापता हो गए थे, उन्होंने अधिकारियों से उन्हें खोजने की जिम्मेदारी लेने को कहा था। इस मामले में मणिपुर पुलिस ने सोमवार रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ‘25 नवंबर 2024 से लापता लैशराम कमलबाबू सिंह का पता लगाने के लिए मणिपुर पुलिस की तरफ से भारतीय सेना की सहायता से बड़े पैमाने पर संयुक्त तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

ममता को शायद मालूम न हो कि...

बंगाल। एक दिन पहले पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार से अपील की थी कि वे संयुक्त राष्ट्र से अनुरोध करें और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए शांति सेना भिजवाएं। ममता बनर्जी की इस मांग पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर का बयान आया है। थरूर ने कहा कि शायद ममता बनर्जी को संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन की भूमिका और उनकी शक्तियों के बारे में जानकारी नहीं है। मैंने कई साल शांति सेना के साथ काम किया है, इसलिए मैं बता सकता हूं कि शांति सेना यू ही किसी देश के अंदर प्रवेश नहीं कर सकती या तैनात नहीं हो सकती है।

एलएसी पर शांति बहाली के बाद सीमा विवाद सुलझाने पर जोर : विदेशमंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली। लोकसभा में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भारत-चीन सीमा विवाद पर जानकारी देते हुए कहा कि, एलएसी पर हालात सामान्य हैं। फिलहाल शांति बहाली की कोशिश जारी है। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि, सीमा पर हालात सुधारने के लिए दोनों देश प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि, कोई भी पक्ष स्थिति से छेड़छाड़ नहीं करेगा और सहमति से ही सभी मसलों का समाधान किया जाएगा। चीन से बातचीत के बारे में जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि, सीमा पर हालात सामान्य होने के बाद ही चीन से बातचीत की गई है। विदेश मंत्री ने कहा कि, एलएसी पर बहाली का पूरा श्रेय सेना को जाता है। उन्होंने आगे कहा कि, कूटनीतिक पहल से सीमा पर हालात सामान्य हुए हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और चीन के बीच सहमति बनी है कि यथास्थिति में एकतरफा बदलाव नहीं किया जाएगा और साथ ही दोनों देशों के बीच पुराने समझौतों



एलएसी पर बहाली के लिए सेना को श्रेय

का पालन किया जाएगा। सीमा पर शांति के बिना भारत-चीन के संबंध सामान्य नहीं रह सकते।

‘सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए दशकों तक बातचीत’

लोकसभा में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, मैं सदन को भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में हाल के कुछ घटनाक्रमों और हमारे समग्र द्विपक्षीय संबंधों पर उनके प्रभावों से अवगत कराना चाहता हूं। सदन को पता है कि 2020 से हमारे संबंध असामान्य रहे हैं, जब चीनी कार्रवाइयों के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों

में शांति और सौहार्द भंग हुआ था। हाल के घटनाक्रम जो तब से हमारे निरंतर कूटनीतिक जुड़ाव को दर्शाते हैं, ने हमारे संबंधों को कुछ सुधार की दिशा में स्थापित किया है। भारत और चीन ने सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए कई दशकों तक बातचीत की है। सीमा विवाद के समाधान के लिए निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य रूपरेखा पर पहुंचने के लिए द्विपक्षीय चर्चा की गई। सदस्यों को याद होगा कि अप्रैल-मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चीन की तरफ से बड़ी संख्या में सैनिकों को एकत्र करने के बाद कई बिंदुओं पर हमारी सेनाओं के साथ आमना-सामना हुआ। इस स्थिति के कारण गंभीर गतिविधियों में भी बाधा पैदा हुई। यह हमारे सशस्त्र बलों के लिए श्रेय की बात है कि रसद संबंधी चुनौतियों और तत्कालीन कोविड स्थिति के बावजूद, वे तेजी से और प्रभावी ढंग से जवाबी तैनाती करने में सक्षम थे।

गतिरोध से विकास तक... आईआईएम बैंगलोर में जारी अपनी केस स्टडी

प्रगति प्लेटफॉर्म और भारत के डिजिटल गवर्नेंस पर ऑक्सफोर्ड बिजनेस स्कूल केस स्टडी के मुख्य निष्कर्ष

बेंगलुरु। ऑक्सफोर्ड के सैद बिजनेस स्कूल ने आज आईआईएम बैंगलोर में जारी अपनी केस स्टडी में बताया है कि किस तरह से भारत का प्रगति प्लेटफॉर्म (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) बड़े बुनियादी ढांचे और सामाजिक विकास परियोजनाओं को लागू करने के तरीके को बदल रहा है। गेट्स फंडेशन के सहयोग से किया गया शोध बताता है कि कैसे डिजिटल गवर्नेंस में इस नवाचार ने 205 बिलियन डॉलर की 340 परियोजनाओं को गति देने में मदद की है। **इस केस स्टडी के मुख्य निष्कर्ष निम्न प्रकार से हैं:**
बुनियादी ढांचे में प्रगति का योगदान
2015 में अपनी शुरुआत के बाद से, प्रगति ने 205 बिलियन डॉलर की 340 परियोजनाओं को गति देने में मदद की है। इसने बुनियादी ढांचे के विकास में अभूतपूर्व

सहायता की है जिसमें 50,000 किलोमीटर के नए राष्ट्रीय राजमार्ग और हवाई अड्डों का दोहरीकरण शामिल है। अध्ययनों से पता चलता है कि बुनियादी ढांचे पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये से सकल घरेलू उत्पाद में 2.5 से 3.5 रुपये का लाभ होता है।
शीर्ष नेतृत्व की भूमिका
प्रगति के मूल में प्रधानमंत्री मोदी की सीधी भागीदारी है । वे आमतौर पर महीने में एक बार राज्य के मुख्य सचिवों और केन्द्रीय मंत्रालय के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठकों के माध्यम से समीक्षा करते हैं। डिजिटल निगरानी उपकरणों के साथ मिलकर इस व्यावहारिक नेतृत्व ने जवाबदेही की एक नई संस्कृति बनाई है। विशिष्ट परियोजनाओं की समीक्षा में प्रधानमंत्री की सक्रिय भागीदारी नौकरशाही के गतिरोध को तोड़ने

वैश्विक नेताओं के लिए डिजिटल गवर्नेंस के सबक
केस स्टडी में अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण सबक हैं जैसे कि: डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाने में उच्च स्तरीय नेतृत्व का महत्व, नियमित समीक्षा तंत्र की अहमियत और विकास को गति देने में एकीकृत प्लेटफर्मों की ताकत। शोध बताता है कि प्रगति का दृष्टिकोण अन्य विकासशील और गरीब देशों को बुनियादी ढांचे और शासन की इसी तरह की चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकता है।
और कार्यान्वयन में तेजी लाने में मदद करती है।
समस्या की निगरानी और समाधान
प्रगति प्लेटफॉर्म बुनियादी ढांचे में आने वाली बाधाओं का

समाधान करने में प्रमुख भूमिका में सामने आया है। इसका अस्तित्व ही समाधान के लिए प्रेरित करता है। अधिकारी अक्सर प्रधानमंत्री की समीक्षा तक पहुंचने से पहले समस्याओं का समाधान कर देते हैं। उसके बाद भी समीक्षा के लिए आने वाली परियोजनाओं में प्रगति का एकीकृत दृष्टिकोण भूमि अधिग्रहण और पर्यावरण मंजूरी जैसे क्षेत्रों में लंबे समय से चले आ रहे गतिरोध को समाप्त करने में मदद करता है।
डिजिटल गवर्नेंस इकोसिस्टम
प्रगति प्लेटफॉर्म एक व्यापक इको सिस्टम के भीतर काम करता है जिसमें बुनियादी ढांचे की योजना के लिए पीएम शक्ति और पर्यावरण संबंधी मंजूरी के लिए +परिवेश+ शामिल है। इस एकीकृत स्वरूप ने अनुमोदन की समय-सीमा को बहुत ही नाटकीय ढंग से कम कर दिया है।

राज्यों में परस्पर सहयोग
प्रगति ने एक तटस्थ प्लेटफॉर्म बनाया है जहां केन्द्र और राज्य सरकारें राजनीतिक संबद्धता की परवाह किए बिना प्रभावी ढंग से एक साथ काम करती हैं। यह प्लेटफॉर्म +टीएम इंडिया+ का प्रतीक है - जो पारंपरिक नौकरशाही और राजनीतिक बाधाओं को पार कर भारत के संघीय ढांचे में सहयोग को बढ़ावा देता है। कई राज्यों ने अब प्रगति का अपना संस्करण बना लिया है।
पर्यावरण संबंधी मंजूरी जिसमें पहले 600 दिन लगते थे, अब 70-75 दिनों में प्राप्त की जा सकती है। यह इको सिस्टम ड्रोन निगरानी और जीआईएस-आधारित मैपिंग सहित आधुनिकतम उपकरणों का उपयोग करता है।

चेन्नई/तिरुअनंतपुरम। चक्रवाती तूफान फेंगल ने तमिलनाडु और पुडुचेरी में भारी तबाही मचाई है। इसके प्रभाव से पिछले दो-तीनों में हुई मूसलाधार बारिश से कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। उत्तरी तमिलनाडु के विष्णुपुरम जिले में सड़कों और घरों में फनी भर गया है। तिरुवन्नामलाई जिले में एक घर के भूस्खलन की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग अभी लापता हैं, जिनकी तलाश में एनडीआरएफ की टीम जुटी है। मुख्यमंत्री एमकी स्टालिन ने कहा है कि इस प्राकृतिक आपदा से 69 लाख परिवार और 1.5 लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से राष्ट्रीय आपदा राहत कोष (एनडीआरएफ) से 2000 करोड़ रुपये जारी करने का अनुरोध किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में स्टालिन ने कहा कि उक्त धनराशि से राज्य को क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे और आजीविका की अस्थायी बहाली में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा है कि चक्रवाती तूफ़न सेस राज्य के 14 जिलों में भारी तबाही हुई है। शुरुआत में इससे तंजावुर, तिरुवरूर, नागपट्टिनम और मायीलदुथुरई जिलों में भारी बारिश हुई। इसके बाद चेन्नई, थिरुवन्नूर, कांचीपुरम, वेंगलपट्ट और विष्णुपुरम में अत्यधिक बारिश हुई। 1 दिसंबर को जब फेंगल तट से टकराया तो उसके

पश्चिम तमिलनाडु में दो दशक भी भीषण बाढ़
पश्चिम तमिलनाडु में कृष्णागिरी और धर्मपुरी जिलों के कुछ हिस्सों में भी पिछले दो दशकों में अभूतपूर्व बाढ़ देखी गई। 2 दिसंबर को सुबह 8.30 बजे से पहले 24 घंटे के दौरान कृष्णागिरि जिले के उथंगराई में 50 सेमी, विष्णुपुरम जिले में 42 सेमी और धर्मपुरी के हरर में 33 सेमी बारिश हुई है। कुड्डलोर और तिरुवन्नामलाई में 16 सेमी वर्षा दर्ज किया गया।
बाद विष्णुपुरम, कलाकुरिची, कुड्डलोर और तिरुवन्नामलाई जिलों में सड़कों के साथ ही बिजली लाइनों को भारी नुकसान पहुंचा क्योंकि हवा की रफ्तार 90 किमी प्रति घंटा तक पहुंच गई थी। भूस्खलन के बारे में तिरुवन्नामलाई के जिला कलेक्टर डी भास्कर पांडियन ने बताया था कि स्थानीय लोगों ने मलबे में दबे घर में पांच बच्चों समेत सात लोगों के होने की आशंका जताई है। उन्होंने यह भी कहा कि घर पहाड़ी की तलहटी में था और 1 दिसंबर को भारी बरसात के कारण ऊपर से गिरे बड़े-बड़े पत्थरों की चपेट में आ गया।

टैरिफ की बात पर घबराएं टुडो को ट्रंप की सलाह

कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बना दो...

वाशिंगटन। अमेरिका के भावी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मेक्सिको जैसे देशों से आने वाले सामानों पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है। इसके बाद इन देशों में हलचल तेज है। इस बीच बीते शुक्रवार कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टुडो ने प्लोरिया में डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी। मार-ए-लांगो में लगभग तीन घंटे की मीटिंग में माहौल हल्का पुरूका रहा और ट्रंप ने टरूडो को एक अनोखी सलाह भी दी है। डिनर मीट के दौरान ट्रूडो ने कथित तौर पर ट्रंप से कहा कि नए टैरिफ कनाडाई अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक साबित हो सकते हैं। इस पर ट्रंप ने जवाब देते हुए कहा कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए।



ठीक नहीं कर सकता है, तो वह अपने पद ग्रहण करने के पहले दिन ही सभी कनाडाई उत्पादों पर 25व टैरिफ लगा देंगे। जवाब में टरूडो ने कहा कि ट्रंप टैरिफ नहीं लगा सकते क्योंकि इससे कनाडा की अर्थव्यवस्था खत्म हो जाएगी। फॉक्स न्यूज के अनुसार ट्रंप ने जवाब दिया, +तो आपका देश तब तक जीवित नहीं रह सकता जब तक कि वह अमेरिका को 100 बिलियन डॉलर का चूना न लगा दे?+ ट्रंप ने टरूडो को सुझाव दिया, +कनाडा अमेरिका का 51वां राज्य बन जाए। ट्रंप ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री एक बेहतर पद हैं, हालांकि वे 51वें राज्य के गवर्नर भी हो सकते हैं। खबरों के मुताबिक ट्रंप ने टरूडो और अन्य मेहमानों का स्वागत अच्छे से किया।

पत्रकारिता के अजातशत्रु , अच्युतानंद मिश्रा

वरिष्ठ संपादक पर केंद्रित पुस्तक का लोकार्पण समारोह में जुटे मीडिया दिग्गज

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार व संपादक और लेखक अच्युतानंद मिश्र के जन्मदिन पर इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) में उनके व्यक्तित्व, कृतित्व और नेतृत्व पर केन्द्रित पुस्तक ‘ अच्युतानंद मिश्र: समावेशी शब्द साधक’ का लोकार्पण सोमवार को किया गया। पुस्तक के संपादक डॉ. मनीषचंद्र शुक्ल हैं और इसका प्रकाशन प्रलेक प्रकाशन, मुंबई ने किया है। पुस्तक का लोकार्पण आईजीएनसीए के अध्यक्ष रामबहादुर राय, सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी, कलानिधि प्रभाग के अध्यक्ष व डीन (प्रशासन) प्रो. रमेश चंद्र गौड़, माधवराव सप्रे संग्रहालय, भोपाल के संस्थापक-संयोजक विजयदत्त श्रीधर, मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, भोपाल के मंत्री संचालक कैलाशचंद्र पंत और प्रसिद्ध साहित्यकार प्रो. चंद्रकला त्रिपाठी और प्रो. कृपाशंकर चौबे ने किया। इस अवसर पर अच्युतानंद की भी गरिमामय उपस्थिति रही। लोकर्पण में पुस्तक के संपादक डॉ. मनीषचंद्र शुक्ल और प्रकाशक



जितेंद्र पात्रो भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान अच्युतानंद मिश्र के सहयोगी रहे साहित्यकारों और पत्रकारों ने अपने संस्मरण साझा किए। सबसे संस्मरण भिन्न-भिन्न थे, लेकिन सबके संस्मरण से यह बात समान रूप से उभरी कि अच्युतानंद जी परिवार के बड़े की तरह सबकी बहुत चिंता करते हैं और अत्यंत समावेशी हैं। कोई भी उनसे अपना दुख-सुख निःसंकोच कह सकता है। उनके अंदर ममत्व और अपनत्व का भाव अद्भुत है।

हिजबुल्लाह के इस कदम से इजरायल का खौला खून, 11 की मौत

जेरूसलम। पिछले सप्ताह संघर्ष विराम पर सहमति जताने के बाद भी लेबनान में इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष जारी है। सोमवार को इजरायल ने लेबनान पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं। सीजफायर के बाद से सबसे बड़े हमलों में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है। वहीं हिजबुल्लाह ने भी संघर्ष विराम को ताक पर रखते हुए कई रॉकेट दागे हैं। बीते बुधवार दोनों पक्षों के

बीच 60 दिनों का संघर्ष विराम लागू होने के बाद हिजबुल्लाह ने पहली बार इजरायली सेना पर निशाना साधा जिससे इजरायल का पार-सातवें आसमान पर है। ताजा हमलों के बाद लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण के एक गांव में इजरायली हवाई हमले में पांच लोग मारे गए और दो घायल हो गए। वहीं पर एक और हवाई हमले में चार लोग मारे गए और दो घायल हो गए हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं के कलेआम के मास्टरमाइंड हैं मोहम्मद यूनुस

नई दिल्ली। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का दौर जारी है। दुनिया भर में कृष्ण भक्ति का प्रचार-प्रसार करने वाली संस्था ISKCON से जुड़े संत चिन्मय कृष्णदास को जेल भेजा गया है। उन पर हिंसा भड़काने के आरोप लगाए गए हैं। इसके खिलाफ भी बांग्लादेश में हिंदुओं के बीच गुस्सा है। इस बीच पूर्व पीएम शेख हसीना ने आरोप लगाया है कि बांग्लादेश

में हो रहे नरसंहार के जिम्मेदार अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस हैं। शेख हसीना ने तो मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ ही रही हिंसा का मास्टरमाइंड बताया है। शेख हसीना ने अवाभी लोग के एक कार्यक्रम को वचुंअली संबोधित करते हुए कहा कि मंदिरों, चर्चों पर हमले के पीछे मोहम्मद यूनुस का हाथ है।



क्रांतिसूर्य टंट्या मामा का 135वां बलिदान दिवस

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने किया पुण्य-स्मरण

भोपाल/नवप्रदेश। हर साल 4 दिसंबर को क्रांतिसूर्य टंट्या मामा का बलिदान दिवस मनाया जाता है। क्रांतिकारी टंट्या भील जनजातीय समुदाय में टंट्या मामा और ‘भारतीय रॉबिनहुड’ के रूप में जाने जाते हैं। वे स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख योद्धा थे। उन्होंने ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों के खिलाफ संघर्ष किया और समाज के गरीब एवं वंचित वर्गों की मुक्त हस्त से मदद की। क्रांतिकारी टंट्या मामा का जन्म 26 जनवरी 1842 को मध्यप्रदेश के खंडवा जिले के पंधाना में हुआ था।

जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने टंट्या मामा के 135वें बलिदान दिवस पर उनका पुण्य-स्मरण किया। उन्होंने कहा कि टंट्या मामा मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के जनजातीय क्षेत्रों में ब्रिटिश शासन के खिलाफ जन आंदोलन के नायक थे। उन्होंने अपने समुदाय को संगठित किया और अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई। टंट्या मामा ने अमीरों से धन छीनकर गरीबों और वंचितों की मदद की। उनके इस कार्य ने उन्हें आमजन का नायक बना दिया। उन्होंने गुरिल्ला युद्धकला अपनाई, जिससे ब्रिटिश सेना उन्हें पकड़ने में लंबे समय तक असमर्थ रही। ब्रिटिश सरकार द्वारा 4 दिसंबर 1889 को टंट्या मामा को गिरफ्तार कर जबलपुर में फांसी दे दी गई थी। यह दिन उनके साहस, बलिदान और राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद करने का है। उनका बलिदान सामाजिक जागरण से समानता लाने की दिशा में प्रेरणा का स्रोत है। क्रांतिसूर्य टंट्या मामा की समाधि पातालपानी में स्थापित है।

वन विहार में बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व के नर बाघ ‘छोटा भीम’ का हो रहा उपचार



भोपाल/नवप्रदेश। उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व से लाए गये घायल नर बाघ ‘छोटा भीम’ का उपचार वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में किया जा रहा है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा अत्यंत घायल अवस्था में रेस्क्यू किये गये नर बाघ छोटा भीम को 30 नवंबर 2024 को उपचार के लिये वन विहार राष्ट्रीय उद्यान लाया गया है। वन विहार सहायक संचालक श्री सुनील कुमार सिन्हा ने बताया कि घायल नर बाघ को वन विहार स्थित इंडो वार्ड में वन्य प्राणी चिकित्सक वन विहार की सतत् निकरानी में उपचार के लिये रखा गया है। गंभीर रूप से घायल बाघ का 3 दिसम्बर 2024 को राज्य पशु चिकित्सालय डॉ. एस. के. तुर्मा?या, वरिष्ठ वन्य प्राणी डॉ. अतुल गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी वन विहार डॉ. रजत कुलकर्णी, वन्य प्राणी चिकित्सक वार्डल्ड लाइफ एस.ओ.एस. वन विहार, वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. वैभव शुक्ला और साइट्स मुख्यालय भोपाल के चिकित्सक दल की निगरानी में स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सहायक संचालक वन विहार श्री सिन्हा ने बताया कि घायल नर बाघ की गर्दन के चारों ओर गहरे घाव हैं, तथा गर्दन के नीचे भी घाव हैं। बाघ के आगे के दाये पैर के निचले भाग में मल्टीपल फ्रैक्चर है। घायल नर बाघ की गतिविधियों पर सतत् निगरानी रखी जा रही है और उसका सतत् उपचार किया जा रहा है।

शिवपुरी में सकल हिंदू समाज ने किया प्रदर्शन



बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

शिवपुरी/नवप्रदेश। बांग्लादेश में संत और हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में मध्यप्रदेश के कई जिलों के साथ शिवपुरी में भी सकल हिन्दू समाज ने प्रदर्शन किया। हिंदू समाज के लोगों ने आक्रोश रैली निकालकर राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। बता दें कि आज हिंदू समाज के लोग तात्या टोपे समाधि स्थल के पास प्रदर्शन के लिए जुटे हैं। यहां से एक रैली के रूप में लोग निकले और माधव चौक पहुंचे। माधव चौक पर ही कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी पहुंच गए थे। यहां हिंदू समाज ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ हस्तक्षेप करने की मांग की गई थी। प्रदर्शन पर बैठे लोगों का कहना था कि भारतवर्ष, जो संहिष्णुता, सांस्कृतिक विविधता, और धार्मिक सहोदर का प्रतीक है, सदैव अपने पड़ोसी देशों में मानवधिकारों व अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता आया है। लेकिन बांग्लादेश में इसके विपरीत हिंदुओं पर अत्याचार किया है। पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर जिस प्रकार हिंसा, उत्पीड़न और उनके धार्मिक स्थलों पर हमले बढ़े हैं, वे न केवल उनकी धार्मिक स्वतंत्रता का हनन करते हैं, बल्कि मानवता के मूल सिद्धांतों को भी चुनौती देते हैं।

सायबर क्राइम, अवैध नशे के कारोबार और यातायात सुरक्षा पर तत्काल चलाएं सघन जागरूकता अभियान-डीजीपी कैलाश मकवाणा

पुलिस महानिदेशक मकवाणा ने वीसी से फील्ड के पुलिस अधिकारियों को दिए निर्देश

पुलिस का कार्य, आचरण और व्यवहार ऐसा हो कि आमजन में विश्वसनीयता कायम हो

भोपाल/नवप्रदेश। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने मंगलवार 03 दिसंबर को पुलिस मुख्यालय भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के समस्त जोनल अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक, उप पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षकों की बैठक ली। बैठक में डीजीपी ने कहा कि हमें प्रोफेशनल पुलिसिंग की ओर बढ़ना है। अकाउंटेबिलिटी, रिस्पोंसिवनेस और डिसिप्लिन, यूनिफार्म सर्विस होने के चलते अनिवार्यतः कायम रखना है। हमें रूल-ऑफ-लॉ अर्थात कानून सर्वोपरि है, को ध्यान में रखते हुए कानून के अनुसार कार्य करना है। हमारा आचरण निष्ठा और ईमानदारी युक्त हो तथा किसी भी तरह की नशाखोरी, भ्रष्टाचार आदि से दूर रहें।



डीजीपी ने कहा कि सिंहस्थ-2028 मेगा इवेंट है इसकी तैयारी में और गतिशीलता लाने की जरूरत है। उज्जैन के सराउंडिंग जिलों में भी पर्याप्त नजर रखनी है। अकाउंटेबिलिटी, रिस्पोंसिवनेस और डिसिप्लिन, यूनिफार्म सर्विस होने के चलते अनिवार्यतः कायम रखना है। हमें रूल-ऑफ-लॉ अर्थात कानून सर्वोपरि है, को ध्यान में रखते हुए कानून के अनुसार कार्य करना है। हमारा आचरण निष्ठा और ईमानदारी युक्त हो तथा किसी भी तरह की नशाखोरी, भ्रष्टाचार आदि से दूर रहें।

डीजीपी ने निर्देशित किया कि सायबर क्राइम, अवैध नशे के कारोबार और यातायात सुरक्षा पर तत्काल प्रभावशाली कार्य किया

जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य है कि हम युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त में आने से रोके। इसलिए सभी स्कूल, कॉलेज में पुलिस अधिकारी पहुंचे और व्यापक जागरूकता अभियान चलाएं। इसके लिए मीडिया के सभी माध्यम, शार्ट वीडियो, पंपलेट, संगोष्ठी आदि का प्रयोग करें। आपके द्वारा की गई कार्यवही का समाज में प्रभाव दृष्टिगोचर होना भी सुनिश्चित करें। आसूचना

तंत्र को मजबूत करें और अवैध नशे के कारोबार के पूरे नेटवर्क का पता लगाकर नेस्तनाबूद करें। पुलिस का कर्तव्य है कि आमजन को सुरक्षित और सुगम यातायात सुलभ कराएं। साथ ही हेलमेट पहनने को लेकर व्यापक जनजागरूकता निर्मित करें।

थाना स्टॉफ आमजन से संवेदनशील सद्ब्यवहार और बदमाशों पर सख्ती रखे-

उन्होंने कहा कि सिटीजन सेंट्रिक सर्विसेज, जो पुलिस द्वारा दी जा रही हैं उनका रिज्वू करें और कौन सी सेवाएं दी जा सकती, उन्हें जोड़ने की संभावनाओं पर विचार करें। पुलिस स्टेशन पर आमजन का सर्वाधिक साबका पड़ता है। अतः अपने अधीनस्थ स्टॉफ को अपडेटेड रखें और उन्हें इम्प्रोवर्ड करें। थाना स्टॉफ आमजन से संवेदनशीलतापूर्ण सद्ब्यवहार करें और बदमाशों से सख्ती से निपटें। बेसिक पुलिसिंग को मजबूत करने के लिए ध्यान देने की आवश्यकता है। पेरेड निर्धारित समय पर हो।

अधिकारी अपने-अपने कार्य क्षेत्र में सरप्राइज विजिट करें तथा सुपरविजन नोट भी देना सुनिश्चित करें। पुलिस की दृश्यता सड़कों पर विशेषकर सायंकाल में होना चाहिए।

जनसुनवाई प्रत्येक मंगलवार अनिवार्यतः हो

डीजीपी ने कहा कि हमें अपनी विश्वसनीयता आमजन के बीच स्थापित करना होगा। अच्छे पुलिसकर्मियों को रिवार्ड और बुरे को पेंडेंट करना सुनिश्चित करें। आपकी कार्यप्रणाली से आमजनता को राहत मिले और कार्रवाई सही हो, इसका ध्यान रखें। सांप्रदायिक सद्भावना बरकरार रखें। वीवीआईपी विजिट के दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करें। कोई भी अधिकारी अपना कार्यक्षेत्र नहीं छोड़े। शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को अनिवार्यतः जनसुनवाई करें और आवेदनों पर निष्पक्षता से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें।

आरडीएसएस के तहत 5500 किमी बिजली लाइन, केबल का कार्य पूर्ण

4800 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किए, आपूर्ति क्षमता का व्यापक विस्तार

भोपाल/नवप्रदेश। रिवेम्पड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (ऋम्स) के तहत मालवा और निमाड़ क्षेत्र में बिजली वितरण क्षमता बढ़ाने, लाइन लॉस कम करने के लिए सतत कार्य किए जा रहे हैं। अब तक करीब 5500 किमी लंबी बिजली लाइन में केबल का कार्य किया गया है। कुल 4800 वितरण ट्रांसफार्मर भी स्थापित किए गए हैं। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि इस योजना से उपभोक्ता सेवाओं में बढ़ोत्तरी, आपूर्ति में गुणात्मक सुधार हो रहा है। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि रिवेम्पड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम में 565 ग्रिडों पर

केपिसिटर बैंक लगा दिए गए हैं। इंदौर शहर के सिरपुर, मालवा मिल, सुखलिया इत्यादि में 20 किमी नई अंडरग्राउंड केबल स्थापित की गई है। मालवा और निमाड़ के इंदौर व उज्जैन संभाग के विभिन्न जिलों में 4800 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं। इन ट्रांसफार्मरों से किसानों, घरेलू, व्यापारिक क्षेत्र के अलावा उद्योगों की बिजली आपूर्ति व्यवस्था में भी सुधार एवं बढ़ोत्तरी हुई है। प्रबंध निदेशक ने बताया कि कुल 1136 किमी में घरेलू से पृथक् कृषि लाइन स्थापित की गई हैं। दो हजार किमी की एलटी केबल स्थापित की गई है। इससे विद्युत अवरोध, ट्रिपिंग एवं अन्य शिकायतें घटी हैं। 1300 किमी के तार यानि कंडक्टर की क्षमता बढ़ाने के कार्य हुए हैं। करीब एक हजार किमी की लाइन फीडर विभक्तिकरण, एक दूसरे से जोड़ने के लिए स्थापित की गई हैं।

कई जन्मों के पुण्य के बाद देवता हमारे यज्ञ की आहुति स्वीकारते हैं : सीएम यादव

मुख्यमंत्री 251 कुण्डीय महायज्ञ में हुए शामिल

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देवी-देवताओं का पूजन-अर्चन हमारी संस्कृति रही है। कई जन्मों के पुण्य के बाद देवता हमारे यज्ञ की आहुति स्वीकारते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बालाघाट के सरदार पटेल विश्वविद्यालय में आयोजित 251 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा नवीन शिक्षा नीति में भारत की गौरवशाली इतिहास एवं हमारी संस्कृति तथा आदर्शों को शामिल किया है। उन्होंने कहा कि नवीन शिक्षा नीति में किये गये प्रावधान अनुसार यदि कोई भी व्यक्ति अब गायत्री मंत्र के मर्म एवं महिमा में पीएचडी करना चाहे तो कर सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गायत्री परिवार के नशामुक्ति, नारी सशक्तिकरण जैसे जनजागृति अभियानों से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने का आहवान किया। देव संस्कृति विश्वविद्यालय के



प्रो वाइस चांसलर डॉ. चिन्मय पाण्ड्या ने आयोजन की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, पशुपालन एवं

डेयरी विभाग राज्य मंत्री श्री लखन पटेल, सांसद श्रीमती भारती पारधी, विधायक श्री गौरव पारधी, विधायक राजकुमार करीह, पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, पूर्व मंत्री श्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व

सांसद श्री ढालसिंह बिसेन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गायत्री परिवार के पदाधिकारी की उपस्थिति रही।

प्रयागराज कुंभ में एमपी से भेजेंगे 3.50 लाख थाली-थैले

संघ-विहिप के वॉलंटियर अखाड़ों और श्रद्धालुओं के थैले से निकालेंगे पॉलीथिन

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में आरएसएस, विश्व हिन्दू परिषद और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले करीब 40 संगठन थाली-थैला संकलन में जुटे हैं। इन्हें अगले साल 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में भेजा जाएगा। पॉलिथीन और सिंगल यूज प्लास्टिक को रोकने के लिए कुंभ में आने वाले अखाड़ों और श्रद्धालुओं के थैलों से पॉलिथीन निकालकर उन्हें एक थाली और थैला भेंट करेंगे। मप्र के तीन प्रांतों मथला भारत, महाकौशल और मालवा से करीब साढ़े तीन लाख थैले और थाली प्रयागराज भेजे जाएंगे। अभियान से जुड़े आशुतोष भट्ट ने को बताया, 45 दिनों तक चलने वाले प्रयागराज महाकुंभ में करीब 40 करोड़ श्रद्धालु शामिल होने का

अनुमान है। श्रद्धालुओं की संख्या के हिसाब से देखें तो करीब 600 टन पॉलिथीन कुंभ में इकट्ठी होगी और ये हमारी नदियों और पर्यावरण को प्रदूषित करेगा।

अब तक भेजे जा चुके हैं 40 हजार थैले

मध्यभारत प्रांत में शामिल जिले- मुर्ना, श्योपुर, ग्वालियर (डबरा), भिंड (लहार), शिवपुरी (पिछोर), गुना (राघौगड़), अशोकनगर, बिदिशा (बासोदा), रायसेन (भोजपुर), रायसेन (बरेली), नर्मदापुरम (पिपरिया), हरदा, बैतूल (मुल्ताई) (जिले के साथ लिखे कस्बे को भी संघ की संरचना में जिला माना गया है।

मध्यभारत प्रांत से करीब 1 लाख 25 हजार थैले और थाली



एकत्रित कर प्रयागराज भेजने का लक्ष्य है। अब तक करीब 40 हजार भेजे जा चुके हैं।

महाकौशल प्रांत में शामिल जिले- निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, पन्ना, कटनी, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, अनूपपुर, सिवनी,

खंडवा, बुरहानपुर। मालवा प्रांत से करीब एक लाख थैले और थाली एकत्रित कर प्रयागराज कुंभ में भेजे जाएंगे।

थाली और थैले का आकार

15 इंच लंबाई और 12 इंच चौड़ाई होना चाहिए, थैला कपड़े का ही होना चाहिए। थैले पर प्रायोजक, दानदाता, संस्था का नाम प्रिंट करवा सकते हैं। थाली स्टील की होनी चाहिए। थाली का साइज लगभग 11 इ 14 इंच चौकोर या गोल जैसी भी उपलब्ध हो, भेज सकते हैं। हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी ईकाईयों ने 45 दिनों तक चलने वाले प्रयागराज महाकुंभ के लिए हरित कुंभ अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य महाकुंभ को पॉलीथिन मुक्त रखना है। इसी के तहत देशभर में

संघ से जुड़े संगठन थाली और थैले एकत्रित कर रहे हैं। इन थाली और थैलों को महाकुंभ के दौरान वितरित किया जाएगा। प्रयागराज महाकुंभ 2025 में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। 75 देशों से पहुंचने वाले लोगों के लिए यहां टेंट सिटी बनाई जा रही है। जिसमें 2 हजार से अधिक स्विस् कॉटेज होंगे। इन कॉटेज में फाइव स्टार जैसी सुविधाएं मिलेंगी। टेंट सिटी 1 जनवरी 2025 से 5 मार्च 2025 तक संचालित होगी। प्रयागराज कुंभ में मकर संक्रांति 14 जनवरी 2025, मौनी अमावस्या 29 जनवरी 2025, बसंत पंचमी 3 फरवरी 2025, माघी पूर्णिमा 12 फरवरी 2025, महाशिवरात्रि 26 फरवरी 2025 को शाही स्नान होगा।



सुविचार

पैर पर चोट लगे तो आदमी संभलकर चलना सीख जाता है और दिल पर चोट लगे तो समझदारी से जीना सीख जाता है। - अज्ञात

बांग्लादेश को सबक सिखाना जरूरी

पाकिस्तान की राह पर चले बांग्लादेश को सबक सिखाना निहायत जरूरी हो गया है। बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा का दौर थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। अब तो वहां सर तन से जुदा के नारे भी खुलेआम लगाये जा रहे हैं। वहां के हिन्दुओं के सामने जीवन मरण का प्रश्न उठ गया है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार स्थिति को सुधारने में कोई पहल नहीं कर रही है। उल्टे बांग्लादेश की पुलिस और सेना भी कटरपंथी ताकतों की मदद कर रही है। बांग्लादेश के हिन्दु अपनी रक्षा की गुहार लगा रहे हैं लेकिन भारत सरकार भी अन्धश्र अमावाज नहीं सुन रही है। भारत अभी भी सदासैयता का परिचय दे रहा है। और बांग्लादेश सरकार से हिन्दुओं की रक्षा के लिए कदम उठाने की मांग कर अपने कर्त्तव्य की इतिश्री कर रहा है। जबकि बांग्लादेश के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने में उसे नहीं हिचकना चाहिए। संसद में भी अन्य तमाम मुद्दे की चर्चा हो रही है। लेकिन बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रही हिंसा के मामले में हमारे माननीय मौन धारण किये हुए है। तभी विपक्षी पार्टियां इस मामले में चुप्पी साधी हुई हैं जो हैरत की बात है। अलबत्ता बांगाल की मुख्यमंत्री और तुणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष अमाता बनर्जी ने जरूर इस मामले को लेकर तिखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने केन्द्र सरकार से मांग की है कि वह बांग्लादेश के खिलाफ तत्काल कड़े कदम उठाये। बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार का मामला संयुक्त राष्ट्र में उठाये और वहां शान्ति सेना भेने की मांग करें। ममता बनर्जी ने कहा है कि यह दो देशो के बीच का मामला है इसलिए वे बंगाल की मुख्यमंत्री होने के नाते कुछ नहीं कर सकती। लेकिन केन्द्र सरकार को कड़े कदम उठाने चाहिए। और बांग्लादेश में रहने वाले लगभग डेढ़ करोड़ हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहिए। ममता बनर्जी की यह मांग वाजिब है और संसदे प्रेरणा लेकर सभी विपक्षी पार्टियों को सरकार पर दबाव बनानाचाहिए कि वह बांग्लादेश के मामले में धूलमूल रवैया छोड़े और कारगर कदम उठाये। सोशल मीडिया पर भी लोगों का ओक्रोश अब फूटने लगा है। साधु संतो ने भी इस पर गंभीर चिन्ता जताते हुए भारत सरकार से अनुरोध किया है कि वह बांग्लादेश के हिन्दुओं की रक्षा के लिए यथासिद्ध प्रभावी पहल करे। किन्तु अभी तक भारत सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। लोग समझ नहीं पा रहे है कि बांग्लादेश जैसा एक छुटभैया देश वहां रह रहे हिन्दुओं पर अत्याचार करने का दुहसाहस दिखा रहा है और भारत जैसा शक्तिशाली देश उसके खिलाफ क्या कोई कड़े कदम नहीं उठा पा रहा है। भारत को इजरायल से सब सिखला चाहिए जो अपने नागरिकों की रक्षा के लिए लगातार जंग लड़ रहा है। यह ठीक है कि भारत बांग्लादेश के खिलाफ सैन्य कार्यवाहअी करने से पहले कड़े बार सोचने पर बाध्य होगा लेकिन भारत सरकार बांग्लादेश को सब सिखाने के लिए उसके साथ अपने व्यापारिक और राजनयिक संबंध को तोड़ ही सकती है। भारत अभी भी तो इतना ही कर ले तो भी बांग्लादेश घुटनों पर आ जायेगा। बांग्लादेश के सामने भी पाकिस्तान का उदाहरण है किजिसके साथ भारत ने अपने व्यवसायिक संबंध तोड़ लिये तो वहां की पूरी अर्थव्यवस्था चौपट हो गई और महंगाई में लोगों का जीना मुहाल कर दिया। पाकिस्तान को तो खैर चीन का सहयोग भी मिल रहा है। जिसकी वजह से वहां भूखमरी के हालात पैदा नहीं हुए है। लेकिन बांग्लादेश तो भूखो मरने पर बाध्य हो जायेगा। बहरहाल बांग्लादेश में हिंसा का तांडव बहुत हुआ अब वहां हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा रूकनी ही चाहिए और इसके लिए भारत को कड़े से कड़े कदम जल्द से जल्द उठाने चाहिए। ममता बनर्जी की मांग के अनुसार भारत को यह मामला संयुक्त राष्ट्र में ले जाना चाहिए और बांग्लादेश मे संयुक्त की शांति सेना भेजने की मांग पूरजोर ढंग से उठानी चाहिए तभी बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रही हिंसा बंद होगी।

प्रेरक प्रसंग

भारत रत्न प्राप्त डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को तमिलनाडु के एक गाँव धनुषकोडी में हुआ था। इनके पिता, मछुआरों को किराए पर नाव देते थे। कलाम ने अपनी पढ़ाई के लिए धन की पूर्ति हेतु अखबार बेचने का कार्य भी किया। डॉ. कलाम ने जीवन में अनेक चुनौतियों का सामना किया। उनका जीवन सदा संघर्षशील रहने वाले एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जिसने कभी हार नहीं मानी तथा दशहति में अपना सर्वस्व न्योछावर करते हुए, सदा उत्कृष्टता के पथ पर चलते रहे। 71 वर्ष की आयु में भी वे अथक परिश्रम करते हुए भारत को सुपर पावर बनाने की ओर प्रयासरत थे। भारत रत्न डॉ. अब्दुल कलाम भारत के 11वें राष्ट्रपति बने। वे भारत रत्न से सम्मानित होने वाले तीसरे राष्ट्रपति में अपना सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम के जनक, डॉ. कलाम ने देश को ‘अग्नि’ एवं ‘पृथ्वी’ जैसी मिश्राल्लें देकर, चीन एवं पाकिस्तान को इनकी रेंज में लाकर, दुनिया को चौंका दिया। एक बार एयरफ़ेर्स के पायलेट के साक्षात्कार में 9वें नम्बर पर अपने के कारण (कुल आठ प्रत्याशियों का चयन करना था) उन्हें निराश होना पड़ा था। वे ऋषिकेश बाबा शिवानन्द के पास चले गए एवं अपनी व्यथा उन्हें सुनाई-

बाबा ने उन्हें कहा : -

Accept your destiny and go ahead with your life. You are not destined to become an Airforce Pilot. What you are destined to become is not revealed now but it is predetermined. Forget this failure, as it was essential to lead you to your eXistence. Become one with yourself, my son. Surrender yourself to the wish of God.

बाबा शिवानन्द का कहने का अर्थ यह था कि असफलता से निराश होने की आवश्यकता नहीं। यह असफलता आपको दूसरी सफलताओं के द्वार खोल सकती है। तुम्हें जीवन में कई पहलूचना हैं, इसका पता नहीं। आप कर्म करो, ईश्वर पर विश्वास करो। डॉ. कलाम का जीवन, हर उस नवयुवक के लिए आदर्श प्रेरणा स्रोत है, जो अपने जीवन में एक असफलता मिलने से ही निराश हो जाते हैं। डॉ. कलाम ने अपने सारे जीवन में निःस्वार्थ सेवा कार्य किया। उनका राष्ट्र प्रेम और उनका देशभक्ति का जून्हा हर भारतीय के लिए सबक एवं प्रेरणा का पुंज है और हमेशा रहेगा।

आज का पंचांग

बुध-14					
बुध	सूर्य-शुक्र-शनि	13-15	8		
9	15	राहु	चन्द्र-केतु		
14	4		6		
मंगल		5			

सूर्योदय: 06:56, सूर्यास्त: 05:20
चन्द्रोदय: 26:17, चन्द्रास्त: 13:56
अरुन दक्षिणायणे (दक्षिणगोलीय), ऋतुः हेमन्त, शक सम्वतः 1946 (क्रोधी), विक्रम सम्वतः 2081 (काल), मास : मार्गशीर्ष, पक्ष: शुक्ल , तिथि : चतुर्थी, नक्षत्र : उत्तराषाढा योग : प्रीति, प्रकथमः करण वणिज (11:39 तक), द्वितीय करण : विट्ति (25:01 तक)

॥ गौघर राहा: ॥

सूर्य : वृश्चिक, चंद्र : कन्या

मंगल : कर्क (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : वृश्चिक (उदय, पूर्व, मार्गी), गुरु : वृष (उदित, पश्चिम, वकी), शुक्र : धनु (उदित, पूर्व, मार्गी), शनि : कुम्भ (उदित, पूर्व, वकी), राहु : मीन, केतु : कन्या

शुभाशुभ मुहूर्त विचार

अभिजित मुहूर्त 11:43 से 12:25, अमृत काल 17:16 से 19:04, विजय मुहूर्त 13:48 से 14:30, गोधुलि मुहूर्त 17:14 से 17:42, सायाह्न सन्ध्य 17:17 से 18:39, निशिता मुहूर्त 23:37 से 24:31, राहुकाल 12:00 से 13:30, राहुसय उत्तर-पश्चिम, यमगण्ड 10:46 से 12:04, दुर्गुहूर्त 12:25 से 13:06, वैशाकृति राहु, दिशाशूल पूर्व, नक्षत्र शूल उत्तर (25:24 तक), अग्नित्वास पृथ्वी (25:01 तक), भद्रावास पाताल (11:39 से 25:01)



राजीव खेडेलवाल

मततलब विधायक

दल की बैठक बुलाकर, परदेशिक गण एक-एक विधायक़ों से उनका मत लिखित में लेकर और फिर कांग्रेस हाई कमान की इच्छा अनुसार निर्देशित किये व्यक्ति का नाम दिखीं घोषित कर अथवा विधायक दल कांग्रेस हाई कमान को नेता चुनने का अधिकार देकर

लोकतांत्रिक प्रक्रिया की औपचारिकता को पूर्ण करना मान लिया जाता रहा छ मतलब न्यूनतम लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपनाने की नौटंकी ग़ल्फ की जाती थी। फ़सु “पर उपदेश कुशल बहुतेरे” की उक्ति को चरितार करने वाली भागपा उक्त नौटंकी को भी दर किनार कर

दिल्ली से लिखित में नाना लिखकर लाई पचीं को मुख्यमंत्री पद के रहे दावेदारों से ही पचीं खुलवाकर नाम पढ़वा कर दावेदारों को जलील कर, नए मुख्यमंत्री का चुनाव नहीं चयन पिछले कुछ समय से भागपा द्वारा किया जाकर उस कांग्रेस को जिसने आपातकाल लागू कर लोकतंत्र को बहिसरे में ढकेल दिया था, की जबबी कार्रवाई के स्या में लोकतंत्र को इस तरह से मजबूत कर रखी है? देा के लोकतंत्र व सैधान्तिक मर्यादओं की यह दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक स्थिति है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली/वार्ता। 1829 में आज ही के दिन वायसराय लॉर्ड विलियम बैंटिनक ने सती प्रथा खत्म की थी। 1860 में 4 दिसंबर के दिन ही गोवा के मरागाव के अगस्टिनो लॉरेंसो ने पेरिस युनिवर्सिटी से केमैस्ट्री में डॉक्टरेट की उपाधि ली थी। 1959 में आज ही के दिन भारत और नेपाल के बीच गंडक सिंचाई एवं विद्युत परियोजना पर साइन किए गए थे। 1971 में आज ही के दिन भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान नौसेना और कराची पर हमला किया था। 1971 में 4 दिसंबर के दिन ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भारत और पाकिस्तान के बीच हालात खराब होने पर आपात सत्र बुलाया था। 1977 में 4 दिसंबर के दिन ही मिश्र के विरुद्ध अरब मोर्चा गठित किया गया था। 1995 में आज ही के दिन अमेरिका डेविंस कप चैंपियन बना था। 1996 में 4 दिसंबर के दिन ही अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगल ग्रह के लिए एक और अंतरिक्ष यान ‘मार्स पाथफ़ाइंडर’ प्रक्षेपित किया था। 2003 में आज ही के दिन अशोक गहलोत विधानसभा क्षेत्र से 12वीं राजस्थान विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए थे।

QUIZ TIME

- भूपर्पटी में बहुतायत में पाया जाने वाला रासायनिक तत्व कौन सा है?
- तैमुजिन नाम का मंगोल आक्रमणकारी इतिहास में किस नाम से प्रसिद्ध है?
- तारकुड़े समिति तथा गोस्वामी का लेखक कौन था?

1.अम्ल,2.हाइड्रोजन,3.मैग्ने (5)4.प्लूटो (7)5.मार्स

1.अल्लाउद्दीन इल्तुतमिश (6)2.कूब लाहौर (7)3.मल्लिकार्जुन (1)-1।वामनराव



ज्योतिषाचार्य वासुदेवियेन्द्र अंबेडकर देवराज गुरुजी

मतिभ्रम का शिकार बनेंगे।

वृष : आज के दिन आप पिछली गलतियों से सीख लेकर ही सभी क्षेत्र पर व्यवहार करेंगे।
मिथुन: आज के दिन भी शांति से बिताने की आवश्यकता है आज आप स्थित को गांप कर ही व्यवहार करेंगे परन्तु सामने वाला आपकी परिस्थिति का खयाल नहीं करेगा।

कर्क : आज का दिन पहले की तुलना में सुधार वाला रहेगा लेकिन आज धन

मुख्यमंत्री का चुनाव हाई कमान अथवा विधायक दल “कौन” नहीं कर पा रहा है?

नेता का चुनाव व प्रक्रिया! कहीं भाजपा का कांग्रेसीकरण तो नहीं?

अप्रत्याशित बहुमत! तो अप्रत्याशित देरी?!

फिर हाय तौबा क्यों?

अभी तक कई मामलों को लेकर मध्य प्रदेश को अजब प्रदेश गजब-प्रदेश की संज्ञा दी जाती रही है। एम पी अजब है, सबसे गजब है। परंतु विधायक दल के नेता (मुख्यमंत्री) के चुनाव को लेकर महाराष्ट्र ने मध्य प्रदेश की उक्त टैंगलाइन पर बाजी मार ली है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में आपको कभी ऐसा याद नहीं आता होगा कि विधायक दल का नेता चुने बिना शपथ समारोह की तारीख, समय, स्थल, मंच सब कुछ तय हो गया हो। अभी तक तो विधायक दल की बैठक ही नहीं हो पाई है, जो एक बार 2 तारीख को बुलाई जाकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कारण स्थगित कर दी गई। महाराष्ट्र शायद इस मामले में केंद्रीय नेतृत्व जहां नरेंद्र मोदी को भाजपा संसदीय दल का नेता चुने बिना एनडीए का नेता चुन लिया गया था अथवा अमेरिका का अनुसरण कर रहा है, जहां शपथ ग्रहण की तारीख संवैधानिक रूप से 20 जनवरी स्थाई रूप से निश्चित रहती है। महाराष्ट्र में युति के घटक राकांपा और शिवसेना के विधायक दल की बैठक होकर उनके नेता चुने जा चुके हैं। परंतु भाजपा विधायक दल का नेता अभी तक नहीं चुना गया है। कल होने वाली विधायक दल की बैठक में पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में नेता चुना जाएगा जो महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री होगा।

सब कुछ निश्चित होने के बावजूद इतनी अनिश्चितता क्यों?

प्रश्न यह है कि चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ होने पर 24 नवंबर को परिणाम आने के बाद 5 वर्ष की अवधि समाप्त होने के पूर्व 26 नवंबर तक मुख्यमंत्री पद की शपथ न होने पर संवैधानिक संकट खड़ा होने की आशंका मीडिया में व्यक्त की जा रही थी। महाआघाड़ी के बहुमत मिलने के आला/आशंका के कुछ एग्जिट पोल के चलते मुख्यमंत्री पद को लेकर घटक दलों में परस्पर झगड़े के चलते इतनी कम अवधि में नेता न चुने जाने की स्थिति में राष्ट्रपति शासन लागू करने की आशंका तक व्यक्त की गई थी, जिसकी चर्चा आज नवरद है। शायद इसलिए कि कुछ संवैधानिक विशेषज्ञों के अनुसार महाराष्ट्र विधानसभा के पिछले इतिहासों को देखते हुए विधानसभा के कार्यकाल की 5 साल से

ज्यादा की अवधि (दो शपथ ग्रहण के बीच की अवधि) के रहे हैं। प्रश्न यह है महाराष्ट्र में ऐतिहासिक, अप्रत्याशित, प्रचंड बहुमत युति (एनडीए) के मिलने, किसी भी विपक्षी दल को मान्यता प्राप्त विपक्षी नेता लायक विधायकों की संख्या का न मिलना, तथाकथित संवैधानिक संकट सामने होने के, व 10 दिन व्यतीत हो जाने के बावजूद विधायक दल के नेता का चुनाव न जाना “सब कुछ ठीक है” की राजनीतिक स्थिति पर प्रश्न चिन्ह नहीं लगता है? शायद लगता है, लेकिन कहीं किस से। “रहिमन निज मन की



व्यथा, मन ही राखो गोय’’! खासकर इस स्थिति को देखते हुए कि कल होने वाले विधायक दल के चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस का नेता के रूप में चुना जाना तय है छ विधायक दल के नेता के चुने जाने में हो रही देरी की स्थिति क्या बीजेपी हाईकमान के कमजोर होने का संकेत है, अथवा एकनाथ शिंदे को “कंकर बीनते हीरा मिलने” अर्थात उम्मीद से ज्यादा बहुमत मिलने पर उनकी सौदेबाजी की स्थिति का मजबूत होना है? इन बातों का खुलासा तो बाद की राजनीतिक घटनाओं से ही निकल कर आ पाएंगी छ दरअसल महायुति का हर घटक दल यह मान कर चल रहा है कि “उसी के खोदने से गंगा आयी है”। यही कारण है कि “कोठी में चावल और घर में उपवास” जैसी स्थिति बन गयी है।

भाजपा का पार्टी विद द डिफ्रेंस का नारा! धरातल पर कितना?

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

दिल मेरा अब भी तेरा एतबार कर रहा है

दिल मेरा अब भी तेरा एतबार कर रहा है,, यानि हालात-ए-बसबसे तैयार कर रहा है,, ना चाल ना चलन ना मैयार जिसका कोई,, मशरिफों कोई, मुझेपे बौछार कर रहा है,, जिस्लें,, बेबसी,, बदनामी तनख्खाहें में हैं,, दिल मेरे ये कैसा कारे रोजगार कर रहा है,, किससे वादे किए संग किसके फेरे लिए,, कौन उठता घूंघट कौन दीदार कर रहा है,, क्या कहा तुमने और किन लफ्जों में कहा,, नहीं मालूम बस लहजा बेजार कर रहा है,,

- अनिल अनमोल शर्मा

हाँ, ठीक कहा तुमने सौ साल पहले मुझे

हाँ, ठीक कहा तुमने सौ साल पहले मुझे तुमसे प्यार था आज भी है और कल भी रहेगा। हाँ, ठीक कहा तुमने हम फिर मिलेंगे अगले जन्म में फिर-फिर, बार-बार क्योंकि - इस संसार से मुक्त होने का न हमने पहले प्रयास किया न अब कर रहे हैं। हाँ, ठीक कहा तुमने हम एक-दूसरे के लिए बने हैं क्योंकि - बेहतर को जानते ही कहाँ है हम जो एक-दूसरे से मोह ढंग हो हमारा। हाँ, ठीक कहा तुमने मुझे लौटाना है तुम्हें पिछला बहुत कुछ और आगे के लिए करने हैं अनेकानेक वादे जैसे कि... हम बदलेंगे ही नहीं कभी लेकिन - यह नहीं बदलना क्या मनुष्य के हाथ में है भला ? क्या कहा..? नहीं...! हाँ, यह भी ठीक कहा तुमने । - **पुष्प सैनी 'पुष्प'**

जब अमावस ने अँगड़ाई लेने

जब अमावस ने अँगड़ाई लेने से इंकार कर दिया, तो चाँद की याद में बहे जमीन के औँस समंदर बन गए, सूरज का दिल पसीजा और अपनी सुनहरी चंचुली उतार फेंक, ओढ़के ठंडक की चद्द धारण कर चाँद सा रुपहला रूप मनाने उतरा आधे समंदर में, और उसे पहचान से नवाज दिया

- **कविता माथुर**

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य					
(भागवत साहू)					
बाएं से दाएं 1. अधिमान, घमंड, अनुमान 6. हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा 26. ऊपर से नीचे	पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा 26. ऊपर से नीचे	संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मानिष्ठ, ईमानवाला 17. अनुग्रह, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. परवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुःख।			
शब्द सामर्थ्य क्रमांक 254 का हल					
स्मृ ति पा व क बे ल	र ज नी च र दू	मु स्का न न म की न			
सा र स ट ख ना	फि अ जा य ब रा जा	र च ना था ल य			
धि र्थ स मा ज					
उ प कृ त आ वा ज					
ल्यू त ब ल रा म					

आयुष्मान से इलाज नहीं करने से, नाराज विधायक ने जमीन खाली कराने की दी चेतावनी

अपोलो स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लोगों को नहीं दे सकता तो सरकारी सुविधाओं का भी उसे अधिकार नहीं: सुशांत

ठु पंजीयन कराने सीएमएचओ ने जारी किया नोटिस

बिलासपुर/नवप्रदेश। संधाग के सबसे बड़े मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल अपोलो में आयुष्मान योजना से इलाज बंद कर दिया गया है। डायलिसिस जैसी अति महत्वपूर्ण सेवाओं से इलाज बंद होने के कारण मरीज और परिजनों को भारी आर्थिक और मानसिक परेशानियों से दो चार होना पड़ रहा है। शिकायत के बाद स्थानीय विधायक ने प्रबंधन के साथ बातचीत किया।



पत्रकारों से विधायक सुशांत शुक्ला ने नाराजगी जाहिर किया प्रबंधन से दो टूक कहा कि जब शासकीय योजनाओं का फायदा जनता को नहीं

दिया जा रहा है। तो अपोलो को शासकीय जमीन और सरकारी सुविधाओं को भी लेने का अधिकार नहीं है। आयुष्मान कार्ड सुविधा नहीं दिये जाने से नाराज बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने आपत्ति जाहिर किया है। अपोलो प्रबंधन के साथ बैठक कर विधायक सुशांत शुक्ला ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर किया है। सीएमएचओ डा. अनिल श्रीवास्तव ने अपोलो प्रबंधन को नोटिस जारी कर कहा है कि शासन की दो महत्वपूर्ण योजनाएं आयुष्मान और शहीद बीरनारायण सिंह

अपोलो ने क्यों नहीं किया प्रयास

विधायक ने अपोलो प्रबंधन पर जमकर नाराजगी जाहिर किया। सुशांत शुक्ला ने कहा कि तत्काल आयुष्मान से इलाज शुरू किया जाए। इस दौरान अपोलो प्रबंधन ने बताया कि वर्ष 2019 से आयुष्मान योजना के तहत किए गए इलाज का फंड उन्हें नहीं मिला है। जिसके चलते आगे इलाज करना संभव नहीं है। नाराज विधायक ने कहा कि इस बात के लिए आप लोगों ने प्रशासनिक और राजनैतिक

स्तर परअब तक पहल क्यों नहीं हुई है। मुझसे पहले भी यहां विधायक रहे हैं, सांसद रहे हैं, यहां के सांसद अब डिप्टी सीएम बन चुके हैं। केंद्रीय मंत्री भी बिलासपुर जिले से हैं आप लोगों को पत्राचार कर या व्यक्तिगत मुलाकात कर अवगत कराना था। समय रहते हम भी यथोचित प्रयास करते। मरीज का कोई अहित न हो इस दिशा में सार्थक पहल कर सके।

खाली करें जमीन

बैठक के बाद विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा कि डायलिसिस समेत अन्य सुविधाएं बंद करने की जानकारी मिलने पर आए है। आयुष्मान की अभीन रहते हुए इलाज में विसंगतियों की जानकारी उन्हें प्राप्त हो रही थी। आयुष्मान योजना लागू करने की बात कही है। ऐसा नहीं होने पर शासकीय जमीन और शासकीय बिल्डिंग छोड़ने की बात अपोलो प्रबंधन को कही है। डायलिसिस, आयुष्मान समेत शासकीय योजनाएं लागू नहीं होने पर मैं प्रशासन से अपोलो के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील करूंगा।

योजना के तहत इलाज के लिए पंजीयन कराएं और मरीजों का उपचार शुरू करें।

न्यूज गैलरी

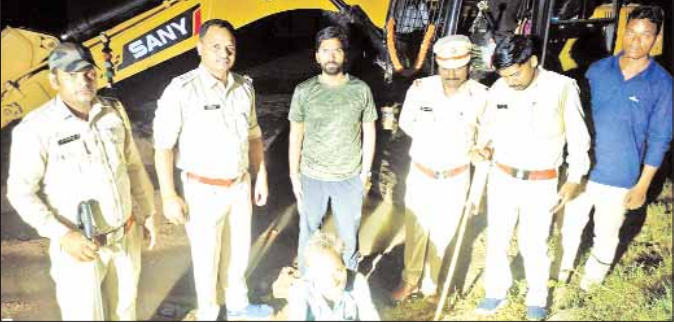
नकाबपोश युवकों ने बिल्डर पर किया हमला, ऑफिस में की तोड़फोड़

बिलासपुर/नवप्रदेश। एक बिल्डर के ऑफिस में तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी के मामले में पुलिस ने एफआईआर तक दर्ज नहीं की थी। पीड़ित बिल्डर जब सीसीटीवी वीडियो लेकर एसपी ऑफिस पहुंचा, तो पुलिस हरकत में आई। घटना के 20 दिन बाद केस दर्ज किया गया। मामला तारबाहर थाना क्षेत्र का है। विनायक होम्स निवासी राजेश सेठ बिल्डर पिछले 9 नवंबर की रात करीब 10 बजे अपने दोस्त सतीश पांडेय और कर्मचारी रंजीत के साथ ऑफिस में बैठे थे। इसी दौरान दो नकाबपोश बदमाश उनके ऑफिस में आए। नकाबपोश युवकों ने ईंट और रॉड से उनके ऑफिस में तोड़फोड़ की। साथ ही बिल्डर को जान से मारने की धमकी भी दी। बिल्डर ने इस घटना की शिकायत तारबाहर थाने में की। लेकिन, पुलिस ने उसकी शिकायत पर कार्रवाई करना तो दूर मौके की जांच करने भी नहीं गई। राजेश सेठ ने बताया कि, हमलावर बदमाश नकाब लगाकर पहुंचे थे। जिसके चलते वो उन्हें पहचान नहीं पाए। उन्होंने इस घटना का सीसीटीवी वीडियो भी पुलिस को दिया। जिसमें युवक ऑफिस में ईंट से हमला कर तोड़फोड़ करते दिख रहे हैं। लेकिन, इसके बाद भी पुलिस ने उनकी शिकायत पर एक्शन नहीं लिया। बिल्डर ने कुछ लोगों पर बाहरी लोगों को भेजकर हमला कराने की आशंका व्यक्त की है। थाने का चक्कर लगाते के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने एसपी रजनेश सिंह से मामले की शिकायत की।

प्रशिक्षु आईएफएस अभिनव कुमार ने की बड़ी कार्रवाई जंगल में अवैध उत्खनन करते पकड़े गए 10 हाइवा, पोकलेन राजसात

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर वन मंडल ने जंगल के अंदर अवैध उत्खनन करने वाले खनन माफियाओं के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए खनन में लगी 10 बड़ी गाड़ियों को राजसात कर लिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन कायम करने के और माफियाओं के खिलाफ सख्ती के साथ कार्रवाई के निर्देश के तहत यह अब तक की बड़ी कार्रवाई है,जिसमें किसी भी राजनीतिक दबाव में आए बगैर समस्त कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए जल्दी और राजसात करने की कार्रवाई की गई है। प्रशिक्षु आईएफएस और प्रभारी डीएफओ अभिनव कुमार ने यह कार्रवाई की है।

30 सितंबर को रतनपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत गरत में निकली टीम को धोबघाट में अरपा नदी के किनारे पोकलेन से अवैध रूप से उत्खनन और हाइवा द्वारा अवैध परिवहन की सूचना मिली। सूचना पर प्रभारी डीएफओ अभिनव कुमार के निर्देश पर टीम ने छापा मारा,तब मौके पर



इन वाहनों को किया गया राजसात

हाइवा क्रमांक सीजी 10-ई 9073 मालिक प्रतीक गुप्ता,धनेश्वर कोटा। हाइवा क्रमांक सीजी-10 बीजी 9028 मालिक चित्रांशु वर्मा, सुशील बिलासपुर। हाइवा क्रमांक सीजी-10 बीटी 7814 मालिक चित्रांशु वर्मा, सुशील बिलासपुर। हाइवा क्रमांक सीजी-10 एडी 8456 मालिक शिवम दुबे,रंजन दुबे कोटा। हाइवा क्रमांक सीजी-10 बीटी 6694 मालिक सतीश साहू नगोई। हाइवा क्रमांक सीजी-28 एन 7924 मालिक रवि गुप्ता। ट्रैक्टर क्रमांक सीजी-10 बीटी 1627 मालिक मोनू जायसवाल,रोहित। ट्रैक्टर क्रमांक सीजी - 10 बीएच 3157 मालिक सावन कुमार,रमेश। एक पोकलेन क्रमांक एसएएनवाय 140 वयु 000/51 मालिक पिटू केशरवानी बेलगहना और एक बाइक क्रमांक सीजी 10 बीओ 0764 मोनू जायसवाल। इन सभी दस वाहनों को जब्त कर राजसात कर लिया गया है।

शहर में बच्चों के लिए खुलेगी सर्वसुविधायुक्त लाइब्रेरी, कैफे व गार्डन की भी सुविधा

ठु बच्चों और बुजुर्गों को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा

बिलासपुर/नवप्रदेश। बच्चों और बुजुर्गों के लिए सर्व सुविधायुक्त 300 सीटर लाइब्रेरी जवाली पुल के पास जिला पशु चिकित्सालय के पीछे की रिक्त जमीन पर बनाई जाएगी। यहां कैफे की सुविधा होगी। साथ ही एक बड़ा गार्डन होगा। बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के मैनेजर एसपी साहू ने मीडिया को बताया कि लाइब्रेरी बिल्डिंग के निर्माण के लिए टेंडर प्रोसेस जारी है और वर्क आर्डर शीघ्र जारी होगा। निर्माण अवधि 4 महीने निर्धारित की गई है। इसके लिए एसईसीएल के सीएसआर मद से 5.87 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

दो मंजिला बिल्डिंग में होंगी कई सुविधाएं लाइब्रेरी छोटे बच्चे और वरिष्ठ नागरिकों की जरूरत को ध्यान में रख कर तैयार की जा रही है। लाइब्रेरी में बुजुर्गों के लिए पुस्तकें, न्यूज पेपर, काफी टेबल बुक जैसी सुविधाएं मिलेंगी।



पढ़ाई के लिए बच्चों को मिलेगी प्रेरणा

शहर के बीचों बीच होने से इस लाइब्रेरी का उपयोग सभी क्षेत्र के बुजुर्ग और बच्चे कर सकेंगे। लाइब्रेरी छोटे बच्चों की सुविधा को ध्यान में रख कर कुछ इस तरह डिजाइन की गई है कि वहां बच्चों को पढ़ाई और अन्य चीजों के लिए प्रेरणा मिलेगी। इसके अलावा स्पोर्ट्स मटेरियल भी लाइब्रेरी में होगी। पार्किंग की व्यवस्था लाइब्रेरी निर्माण के साथ ही जिला पशु औषधालय का उन्नयन भी किया जाएगा। अभी पशु औषधालय में बेहतर सविल इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है। इसे बेहतर बनाया जाएगा। डाक्टरों के बैठने और इलाज के लिए कैबिन समेत इलेक्ट्रिफिकेशन, पानी की सुविधा व अन्य आवश्यक कार्य कराए जाएंगे।

बच्चों के लिए भी पुस्तक और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। लाइब्रेरी की बिल्डिंग दो मंजिला होगी। ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर में बैठने के लिए कुर्सि

टेबल, एसी, बाथरूम समेत सभी अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। लाइब्रेरी बिल्डिंग में रेन हार्वैस्टिंग और फायर फायटिंग सिस्टम भी इंस्टाल किया जाएगा।

भरत बने प्रदेश युवा प्रभाग मंत्री



बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ मछुआ महासंघ कल्याण समिति पंजीयन क्रमांक 2577 प्रदेश अध्यक्ष एम आर निषाद के नेतृत्व में बिलासपुर के भरत केवट को प्रदेश युवा प्रभाग मंत्री के पद पर नियुक्त किया है। इनके नियुक्त की खुशी में बिलासा छात्रावास लिंगियाडीह बिलासपुर में 1 दिसंबर रविवार को मछुआ महासंघ के सदस्यों ने भरत केवट को फूलमाला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।

भरत केवट प्रदेश युवा प्रभाग मंत्री ने कहा कि समाज ने कार्यभार मुझे सौंपा है तो मैं समाज हित के लिए कार्य करूंगा। स्वागत कार्यक्रम धनेश केवर्त संधागीय अध्यक्ष निषाद समाज, गजेन्द्र कैवर्त अध्यक्ष बिलासा सेवा समिति, शत्रुहन कैवर्त सचिव निषाद समाज बिलासपुर परिक्षेत्र, हीरालाल कैवर्त पूर्व सरपंच भोथीडीह,करन कैवर्त व मछुआ महासंघ के लोगों ने जोर शोर के साथ स्वागत किया।

शिक्षा

सीवीआरयू और एमपीआरओयू के बीच महत्वपूर्ण विषयों पर हुआ अनुबंध

ठु प्राध्यापकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

बिलासपुर/नवप्रदेश। डॉ सी वी रमन विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश भोज ओपन विश्वविद्यालय भोपाल से एमओयू किया है, दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक एवं प्रशासनिक कई महत्वपूर्ण विषयों को लेकर अनुबंध किया गया है. दोनों विश्वविद्यालयों के कुलसचिव ने भोपाल में अनुबंध पत्र में हस्ताक्षर किया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरविंद तिवारी ने बताया कि यह अनुबंध अकादमिक उन्नयन, रिसर्च को बढ़ावा देने, फैकल्टी एक्सचेंज, एसएलएम निर्माण, ओपन



एजुकेशन रिसोर्स, ओपन ऑनलाइन कार्यक्रम के विकास, प्रभावी ई-लर्निंग,स्टूडेंट सपोर्ट सर्विस की दिशा में तकनीकी का आदान-प्रदान, कोषल

विकास ,रोजगार को बढ़ावा देने, फैकेल्टी डेवलपमेंट मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा, बेस्ट प्रैक्टिस को शेयर करना विषय विशेषज्ञ एक्सचेंज

करना और उनके अनुभव का लाभ लेना, सहित अनेक विषयों के उद्देश्य से किया गया है. इसके साथ-साथ महत्वपूर्ण बात यह भी है, कि अभावग्रस्त विद्यार्थियों को शिक्षा का अवसर प्रदान करने और उन्हें रोजगार सुनिश्चित करने के लिए भी दोनों विश्वविद्यालय कार्य करेंगे। डॉ सी वी रमन कुल सचिव डॉ अरविंद तिवारी ने बताया कि इस अनुबंध से विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समग्र पाठ्यक्रम, दूरवर्ती शिक्षा के विद्यार्थियों एवं कार्यक्रम समन्वयक को लाभ होगा। हमारा विश्वविद्यालय नए पाठ्यक्रमों के साथ महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम के सिलेबस तैयार करने और लॉनिंग मटेरियल हेतु आवश्यक विषय विशेषज्ञ एवं तकनीक सहयोग करेगा. इस अवसर पर मध्य प्रदेश भोज ओपन विश्वविद्यालय भोपाल के कुल सचिव

रिक्वहरी के लिए भेजने से पहले कर्मियों का कराएं वेरिफिकेशन

ठु फाइनंस कंपनियों को एससीपी की दो टूक

बिलासपुर/नवप्रदेश। एएसपी शहर राजेंद्र जायसवाल ने गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों के डायरेक्टर और मैनेजर्स को दो टूक शब्दों में कहा है कि सोना जमा करने से पहले उसका सत्यापन कराया जाए। यही नहीं, उन कर्मचारियों का भी पुलिस वेरिफिकेशन कराया जाए, जिन्हें वसूली के लिए भेजा जाता है। सोमवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक करण जायसवाल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उदयन बेहार ने शहर के फाइनंस कंपनियों की बैठक ली। बैठक का मुख्य एजेंडा फाइनेंस किये गये



वाहनों की सीजिंग प्रक्रिया थी। कंपनियों के प्रबंधकों को उचित प्रक्रिया के तहत ही सिजिंग को कार्यवाही करने की हिदायत दी गई है। किसी फाइनेंस कंपनी द्वारा उचित प्रक्रिया के तहत सिजिंग कार्यवाही नहीं करने पर प्रबंधकों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही निर्देश दिया गया कि फाइनेंस में वाहन आदि लिये व्यक्ति को नोटिस देने

ऐसे व्यक्ति को ना भेजें जो दुर्व्यवहार करें। ऐसे लोग व्यक्ति को डराते-धमकाते हैं जो कि गलत है। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गोल्ड लोन देने वाली फाइनेंस कंपनियों को लोन देने के पूर्व लिए जा रहे सोने को वेरिफाई करने एवं सदेह होने पर पुलिस को सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। फाइनेंस कंपनियों में जो कर्मचारी कार्य करते हैं, उनका चरित्र सत्यापन नहीं हुआ है तो उनकी जानकारी थाने में देने को कहा गया है। ताकि उनका चरित्र सत्यापन किया जा सके। फाइनेंस कंपनियों के डायरेक्टर, मैनेजर्स से भी सुझाव मांगा गया।

अरपा के उद्गम स्थल के संरक्षण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू

बिलासपुर/नवप्रदेश। अरपा के उद्गम स्थल

के संरक्षण को लेकर दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान आज शासन ने अपने जवाब में बताया कि जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, और अधिग्रहण पूरा होने में करीब 16 माह का समय लगेगा। हालांकि, गंदे पानी की निकासी के बारे में नगर निगम का शपथपत्र आज कोर्ट में पेश नहीं हो सका। अब अगली सुनवाई गुरुवार, 5 दिसंबर को होगी।पहली सुनवाई में नगर निगम यह स्पष्ट नहीं कर सका था कि गंदे पानी को नदी में बिना ट्रीटमेंट किए जाने से कैसे रोका जाएगा। हाईकोर्ट ने इस मुद्दे पर

कोर्ट ने शासन को शपथ पत्र पेश करने दिए निर्देश



नगर निगम से एक नए शपथपत्र में विस्तृत कार्ययोजना पेश करने को कहा था।आज

सोमवार को जस्टिस संजय के अग्रवाल की डिवीजन बेंच में हुई सुनवाई में गौरेला पेंड्रा

मरवाही जिले के कलेक्टर ने एक शपथपत्र पेश किया। इसमें बताया गया कि उद्गम स्थल को संवारने के लिए निजी 5 एकड़ जमीन अधिग्रहित करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, इसके अलावा वन विभाग की 5 एकड़ जमीन भी ली जा रही है। इस प्रक्रिया में करीब 16 माह का समय लगेगा, जिसमें दावा-आपत्ति जैसी अन्य प्रक्रियाएं भी चलेंगी।दूसरी ओर, गंदे पानी की निकासी को रोकने के बारे में नगर निगम का शपथपत्र कोर्ट के निर्धारित समय पर पेश नहीं हो सका, जिसके कारण कोर्ट ने 5 दिसंबर को पुनः सुनवाई नियत की है।

न्यूज गैलरी

महिंद्रा इलेक्ट्रिक के खिलाफ अदालत पहुंची इंडिगो, ट्रेडमार्क उल्लंघन का लगाया आरोप



नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल लिमिटेड के खिलाफ अपने नए इलेक्ट्रिक वाहन 6E में 6E शब्द के इस्तेमाल को लेकर मुकदमा दायर किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर मुकदमे में ट्रेडमार्क उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। इंडिगो एयरलाइन ने मंगलवार को महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल लिमिटेड के खिलाफ अपने नए इलेक्ट्रिक वाहन BE 6E में 6ई शब्द के इस्तेमाल को लेकर मुकदमा दायर किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर मुकदमे में ट्रेडमार्क उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। मंगलवार को यह मामला न्यायमूर्ति अमित बंसल के समक्ष कुछ समय के लिए रखा गया, लेकिन न्यायाधीश ने खुद को इससे अलग कर लिया। अब मामले में आगली सुनवाई 9 दिसंबर को निर्धारित की गई। मोडिग्रा रिपोर्ट के अनुसार, इंडिगो के वकील संदीप सेठी ने अदालत को बताया कि महिंद्रा ने इस मामले पर चर्चा करने के लिए एयरलाइन से संपर्क किया था। इंडिगो अपने कॉलसाइन और अपने ब्रांड के एक प्रमुख भाग के रूप में 6E का उपयोग करता है, जिसमें 6E प्राइम और 6E फ्लेक्स जैसी सेवाएं शामिल हैं।

छापेमारी: 31.22 करोड़ रुपए की सावधि जमा व बैंक गारंटी फ्रीज, लगजरी कारें जप्त

नई दिल्ली। एंजेंसी की ओर से ओरिस समूह की कंपनियों के नाम पर 31.22 करोड़ रुपए की विभिन्न सावधि जमा और बैंक गारंटी को जप्त कर लिया गया है। इसके अलावा, प्रमोटरों से संबंधित बैंक खाते और लॉकर फ्रीज कर दिए गए और ओरिस समूह के एक निदेशक और प्रमोटर के आवास से मर्सिडीज, पोर्श, बीएमडब्ल्यू आदि चार लगजरी कारें जप्त की गईं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ओरिस इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय परिसर में कार्रवाई करते हुए गुप्त लॉकरों से बरामद कई दस्तावेजों को जप्त कर लिया है। एंजेंसी की ओर से ओरिस समूह की कंपनियों के नाम पर 31.22 करोड़ रुपये की विभिन्न सावधि जमा और बैंक गारंटी को जप्त कर लिया गया है। इसके अलावा, प्रमोटरों से संबंधित बैंक खाते और लॉकर फ्रीज कर दिए गए और ओरिस समूह के एक निदेशक और प्रमोटर के आवास से मर्सिडीज, पोर्श, बीएमडब्ल्यू आदि चार लगजरी कारें जप्त की गईं। यह जव्ती 500 करोड़ रुपये से अधिक के रियल एस्टेट धोखाधड़ी मामले में ओरिस इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों और प्रमोटरों विजय गुप्ता, अमित गुप्ता आदि और श्री सी शेल्सर्त प्राइवेट लिमिटेड के प्रमोटर और निदेशक निर्मल सिंह उप्पल, विधु भारद्वाज के खिलाफ दिल्ली, एनसीआर क्षेत्र में की गई।

शीर्ष-8 शहरों में 11 फीसदी तक बढ़े मकानों के दाम

नई दिल्ली। रिपोर्ट के अनुसार, मजबूत मांग और बाजार की सकारात्मक धारणा के कारण सितंबर तिमाही में मकानों की औसत कीमत बढ़कर 11,000 रुपये प्रति वर्ग फीट हो गई है। दिल्ली-एनसीआर में दाम 8,655 रुपये प्रति वर्ग फीट से 32 फीसदी बढ़कर 11,438 रुपये प्रति वर्ग फीट पहुंच गया। मजबूत मांग के कारण देश के शीर्ष-8 शहरों में चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में मकानों की कीमतें सालाना आधार पर 11 फीसदी तक बढ़ गई हैं।

दिल्ली-एनसीआर में सबसे अधिक 32 फीसदी की तेजी आई है। क्रेडाई, कोलियर्स और लियासेस फोरास की संयुक्त रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 के बाद से मकानों की औसत कीमतें लगातार 15वीं तिमाही बढ़ी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मजबूत मांग और बाजार की सकारात्मक धारणा के कारण सितंबर तिमाही में मकानों की औसत कीमत बढ़कर 11,000 रुपये प्रति वर्ग फीट हो गई है। दिल्ली-एनसीआर में दाम 8,655 रुपये प्रति वर्ग



फीट से 32 फीसदी बढ़कर 11,438 रुपये प्रति वर्ग फीट पहुंच गया। चेन्नई में सबसे कम दो फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है। बंगलूरू में मकानों के दाम 24 फीसदी, अहमदाबाद में 16 फीसदी, पुणे में 10 फीसदी, मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में चार फीसदी बढ़े हैं। हैदराबाद और कोलकाता में मकानों की औसत कीमत तीन-तीन फीसदी बढ़ी है।

रियल एस्टेट में एआईएफ

त्यस्त त्योहारी सीजन खत्म होने के बाद श्रम बाजार ठंडा पड़ गया

नवंबर में बेरोजगारों की संख्या 34 लाख घटी, पांच लाख को ही मिला रोजगार

दिल्ली। रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यस्त त्योहारी सीजन खत्म होने के बाद श्रम बाजार ठंडा पड़ गया। नवंबर में करीब 29 लाख लोगों ने श्रम बाजार छोड़ दिया। अक्टूबर में देश में 3.97 करोड़ बेरोजगार थे, जिनकी संख्या नवंबर में करीब 34 लाख घटकर 3.62 करोड़ रह गई। देश में बेरोजगारी दर अक्टूबर में 8.7 फीसदी के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद नवंबर, 2024 में घटकर 8 फीसदी रह गई। इस दौरान बेरोजगारों की संख्या में 34 लाख की बड़ी गिरावट देखने को मिली, जबकि रोजगार सिर्फ पांच लाख लोगों को ही मिला। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन

इकनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले माह घटने के बावजूद बेरोजगारी दर अब भी अधिक है। नवंबर लगातार दूसरा महीना रहा, जब बेरोजगारी दर 8 फीसदी या उससे अधिक रही है। दिसंबर में भी इसके उच्च स्तर पर रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यस्त त्योहारी सीजन खत्म होने के बाद श्रम बाजार ठंडा पड़ गया। नवंबर में करीब 29 लाख लोगों ने श्रम बाजार छोड़ दिया। अक्टूबर में देश में 3.97 करोड़ बेरोजगार थे, जिनकी संख्या नवंबर में करीब 34 लाख घटकर 3.62 करोड़ रह गई। एक

व्यक्ति को बेरोजगार तब माना जाता है, जब उसे रोजगार नहीं मिल पाता है, लेकिन वह सक्रिय रूप से काम की तलाश करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 34 लाख लोगों में से करीब 30 लाख ने रोजगार की तलाश बंद कर दी। हालांकि, ये 30 लाख लोग दिसंबर में रोजगार की तलाश में आसानी से श्रमबल में वापस आ सकते हैं। इनमें से करीब 10 लाख लोग बेरोजगारों की श्रेणी में आ गए हैं। इसका मतलब है कि वे काम करने के लिए तैयार हैं, लेकिन सक्रिय रूप से रोजगार नहीं ढूंढ़ रहे हैं। दिसंबर में श्रमबल में वृद्धि होने के कारण श्रम बाजारों पर अतिरिक्त रोजगार देने का



दबाव होगा। रोजगार बढ़ने के बावजूद दिसंबर में बेरोजगारी दर 8 फीसदी से

अधिक रह सकती है। सीएमआईई के मुताबिक, श्रमबल भागीदारी दर (एलपीआर) अक्टूबर के 41.2 फीसदी से घटकर 40.8 फीसदी रह गई। नवंबर में एलपीआर में हल्की कमी सामान्य है और यह गिरावट मौसमी हो सकती है। दिसंबर में एलपीआर मौसमी वृद्धि की उम्मीद है। पिछले महीने रोजगार मिलने की दर में मामूली गिरावट देखने को मिली और यह अक्टूबर के 37.56 फीसदी से घटकर 37.55 फीसदी रह गई। रोजगार मिलने की दर में यह लगातार चौथे महीने गिरावट है। अगस्त में यह दर 38 फीसदी रही थी।

यह फंड स्ट्रेटजी इक्रिटी, गोल्ड और डेटा आर्बिट्रेज के बीच होगा आर्बिटिट

सैमको म्यूचुअल फंड ने डायनेमिक आरओटीएटीई रणनीति के साथ अभिनव मल्टी एसेट एलोकेशन फंड किया लॉन्च

मुंबई। सैमको एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने मल्टी एसेट एलोकेशन फंड (एमएएएफ) के नए फंड ऑफर (एनएफओ) की घोषणा की, जो 4 दिसंबर, 2024 को खुलेगा और 18 दिसंबर, 2024 को बंद होगा। यह फंड इक्रिटी, गोल्ड और डेट/आर्बिट्रेज के बीच आवंटित होगा, ताकि रिटर्न को अनुकूलित किया जा सके और जोखिम को कम किया जा सके। इस योजना की न्यूनतम आवेदन राशि 5,000 है। यह फंड स्ट्रेटजी द्वारा संचालित होगा। इस रणनीति के अनुसार, जब शेयर बाजार में तेजी होती है तो फंड मुख्य रूप से इक्रिटी मोड में घूमने की क्षमता रखता है, जब शेयर बाजार में गिरावट आती है लेकिन सोना बेहतर प्रदर्शन कर रहा होता है तो गोल्ड मोड में और जब शेयर और सोना

दोनों गिर रहे होते हैं तो डेट/आर्बिट्रेज मोड में घूमने की क्षमता रखता है। इस प्रकार स्थिर रिटर्न देने और निवेशक की संपत्ति की रक्षा करने का प्रयास करता है। एसेट आवंटन में लचीलापन देते हुए, यह फंड विभिन्न श्रेणियों में निवेश करने के लिए गतिशील दृष्टिकोण प्रदान करता है। इसके तहत, इक्रिटी में 20-80%, डेट इंस्ट्रुमेंट्स में 10-70% और गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में 10-70% के बीच आवंटन क्षमता है। यह कमोडिटी डेरिवेटिव्स में 30% तक और InvTIs में 10% तक निवेश कर सकता है। जबकि पारंपरिक निवेश फंड अक्सर सोने और अन्य कमोडिटीज उद्योग के स्थिर जोखिम को बनाए रखते हैं, जो आमतौर पर 10 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक होता है। सैमको का मल्टी



एसेट एलोकेशन फंड मजबूत अपट्रेंड अवधि के दौरान सोने में 70% तक का

इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, सैमको एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ विराज गांधी ने कहा, "सैमको में, हम गतिशील निवेश शक्ति में विश्वास करते हैं। हमारा फंड पारंपरिक स्थिर आवंटन रणनीतियों के विपरीत, रीयल टाइम बाजार स्थिति के अनुकूल डिजाइन किए गए अद्वितीय क्र.ह.क्र.अ.श्व. मॉडल पर आधारित है। बाजार रुझान और अस्थिरता के आधार पर परिसंपत्ति वर्गों में पुनर्वितरण करके, हमारा लक्ष्य लगातार प्रदर्शन प्रदान करना है। मंदी के दौरान निवेशकों की सुरक्षा करते हुए तेजी के दौरान अवसरों को अधिकतम करना हमारा लक्ष्य है। यह स्ट्रेटजी ही आज के लगातार विकसित होते बाजार परिदृश्य को नेविगेट करने की कुंजी है।

4 पैसे टूटकर 84.76 के स्तर पर पहुंचा

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सर्वकालिक निचले स्तर पर



डॉलर को कमजोर करने का प्रयास करेंगे तो उन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। इसके अलावा, बाजार सहभागी 6 दिसंबर को आने वाली आरबीआई की मौद्रिक नीति से भी संकेतों का इंतजार कर रहे हैं, जिसमें संभवतः मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.75 पर खुला और

कर रहा था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट कूड वायदा कारोबार में 0.18 प्रतिशत बढ़कर 71.96 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इस बीच, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को संसद में कहा कि मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद रुपया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्राओं में से एक बना हुआ है, जो भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद का संकेत है। उन्होंने कहा कि रुपये के अवमूल्यन का एक मुख्य कारण अमेरिकी डॉलर की व्यापक मजबूती है। उन्होंने कहा, "वर्ष 2024 के दौरान, 19 नवंबर 2024 तक डॉलर सूचकांक में लगभग 4.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हाल ही में, डॉलर सूचकांक 22 नवंबर 2024 को 108.07 के स्तर को छू गया, जो एक वर्ष से अधिक समय में इसका उच्चतम स्तर है, जिससे उभरते बाजार की मुद्राओं पर दबाव बढ़ रहा है।

दूसरी छमाही में फिर से उछाल का अनुमान

मॉर्गन स्टेनली ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाया

दिल्ली। मॉर्गन स्टेनली की ओर से सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही में विकास में मंदी के बाद भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को डाउनग्रेड किया गया है। 2024 की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि साल-दर-साल (YoY) धीमी होकर 5.4 प्रतिशत हो गई, जो मार्च 2023 के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है।

बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी मॉर्गन स्टेनली ने चालू वित्त वर्ष (सबूट25) के लिए भारत के जीडीपी विकास अनुमान को 6.7 प्रतिशत के अपने पहले के अनुमान से संशोधित कर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही में विकास में मंदी के बाद जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को डाउनग्रेड किया गया है। 2024 की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि साल-दर-साल (डब्ल्यूडब्ल्यू) धीमी होकर 5.4 प्रतिशत हो गई, जो मार्च 2023 के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है। यह पिछली

तिमाही में दर्ज 6.7 प्रतिशत की वृद्धि से काफी कम थी और मॉर्गन स्टेनली के 6.3 प्रतिशत के पूर्वानुमान और 6.5 प्रतिशत के आम सहमति के अनुमान से भी कम थी। निजी खपत और पूंजीगत व्यय (केपेक्स) दोनों में मंदी स्पष्ट थी। दूसरी ओर, सेवा क्षेत्र ने लचीलापन दिखाया, जो 7.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा, जबकि उद्योग क्षेत्र 3.9 प्रतिशत पर पिछड़ गया, जिसमें विनिर्माण और विजली क्षेत्र उल्लेखनीय रूप से पिछड़े गए। इस मंदी के बावजूद, मॉर्गन स्टेनली का मानना ​​है कि विकास के निचले स्तर पर पहुंचने की संभावना है और वित्त वर्ष 25 की दूसरी छमाही में फिर से उछाल का अनुमान है। रिफ्रेट में अक्टूबर और नवंबर में विकास में सुधार के संकेतों पर प्रकाश डाला गया है, जो एक मजबूत त्यौहारी और शालिशों के मौसम से प्रेरित है, और वित्त वर्ष 25 की दूसरी छमाही में सकल घरेलू उत्पाद की मार्च 2023 के बाद से इसका वृद्धि औसतन 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

सैंसेक्स में 120 अंक की बढ़त, निफ्टी 24,300 पर

मुंबई। शुरुआती कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स 300.98 अंक चढ़कर 80,549.06 अंक पर पहुंच गया। वहीं एनएसई का निफ्टी 101.85 अंक चढ़कर 24,377.90 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से अदानी पोर्ट्स, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस और जेएसडब्ल्यू स्टील में सर्वाधिक लाभ रहा। घरेलू शेयर बाजार में कारोबार में तेजी देखी गई है। सुबह सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही हरे निशान पर खुले। जहां सेंसेक्स कल के बंद के मुकाबले 120 अंक ऊपर चढ़कर 80,350 तक के आंकड़े पर पहुंच गया, वहीं निफ्टी भी 33 अंक ऊपर खुला और 24,309 तक पहुंच गया।

ईस्ट एशिया म्यू थाई चैंपियनशिप हांगकांग में छत्तीसगढ़ की बेटी दिव्या ने जीता कांस्य

समीफाइनल में रेड कार्नर से हाँगकाँग की खिलाड़ी होई ई वॉन्ग से हुआ मुकाबला

रायपुर/नवप्रदेश। ईस्ट एशिया म्यू थाई चैंपियनशिप हाँगकाँग में भारत की प्रतिनिधित्व कर रही छत्तीसगढ़ की बेटी दिव्या अग्रवाल ने काँस्य पदक अपने नाम कर अपने देश भारत व राज्य छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया।

आईओसी से मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय म्यू थाई संस्था आईएफएमए और एशियाई संस्था एफएएमए के तत्वावधान में हाँगकाँग में आयोजित ईस्ट एशिया म्यू थाई चैंपियनशिप में यूनाइटेड म्यू थाई

यहां रहना पसंद नहीं है। यहां प्रदूषण के कारण मुझे संक्रमण हो जाता है।" उन्होंने कहा, हर बार दिल्ली में आता हुआ, ऐसा लगता है कि (दिल्ली) जाना चाहिए की नहीं। इतना भयानक प्रदूषण है (हर बार, दिल्ली आते समय, मैं सोचता हूँ कि मुझे जाना चाहिए या नहीं क्योंकि प्रदूषण का स्तर बहुत अधिक है। गडकरी ने सुझाव दिया कि प्रदूषण कम करने का सबसे अच्छा तरीका जीवाश्म ईंधन की खपत को कम करना है। दिल्लीवासियों को मंगलवार को वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार महसूस हुआ और सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्वआई) 274 रहा, जो



एसोसिएशन इण्डिया के माध्यम से भारत का प्रतिनिधित्व कर रही ब्लू कार्नर से रायपुर (छत्तीसगढ़) की कु. दिव्या अग्रवाल का सेमीफाइनल में रेड कार्नर से हाँगकाँग की खिलाड़ी होई ई वॉन्ग (Hoi yi Wong) से मुकाबला हुआ। उपरोक्त

जानकारी देते हुए राज्य म्यू थाई संघ के अध्यक्ष लखन कुमार साहू और महासचिव अनीस मेमन ने बताया कि फाइनल प्रवेश के लिए जोर आजमाइश करते बगैर चेस्ट गार्ड के खेले जाने वाले फुल कॉन्टैक्ट गेम में दोनों महिला खिलाड़ियों ने पूरा जोर लगा दिया। पंच, किक, नी, एल्लो के विभिन्न अनवरत बार करके हुए दोनों खिलाड़ी जबरदस्त खेल रहे थे। किन्तु भारत की दिव्या अग्रवाल को दो कॉन्ट मिलने के बाद प्लेयर सेफ्टी पॉवर का उपयोग करते हुए सेन्टर रेफरी ने मुकाबला वहीं रोक हाँगकाँग की खिलाड़ी को विजेता घोषित किया और दिव्या अग्रवाल को काँस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

गडकरी बोले- प्रदूषण के कारण दिल्ली नहीं आना चाहते

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत 22 लाख करोड़ रुपये मूल्य के जीवाश्म ईंधन का आयात करता है, जो अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और पारिस्थितिकी के दृष्टिकोण से चुनौतीपूर्ण है। गडकरी ने दिल्ली के वायु प्रदूषण पर भी टिप्पणी की। दिल्ली में प्रदूषण के बढ़ते स्तर से परेशान केंद्रीय मंत्री एवं नागपुर से सांसद नितिन गडकरी ने मंगलवार को स्वीकार किया कि उन्हें राष्ट्रीय राजधानी आने का मन नहीं करता, क्योंकि यहां उन्हें अक्सर संक्रमण हो जाता है। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि दिल्ली शहर ऐसा है कि "मुझे



लगातार तीसरे दिन राहत भरा रहा। दिल्लीवासियों के लिए दिसंबर की शुरुआत में सांस लेना नवंबर की तुलना में अपेक्षाकृत आसान रहा है, क्योंकि नवंबर के अधिकांश

ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी से बाजार में तीसरे दिन भी तेजी

नई दिल्ली। बीएसई का सेंसेक्स 597.67 अंक या 0.74 प्रतिशत उछलकर 80,845.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 701.02 अंक या 0.87 प्रतिशत बढ़कर 80,949.10 अंक पर पहुंचा। एनएसई निफ्टी 181.10 अंक या 0.75 प्रतिशत बढ़कर 24,457.15 अंक पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी और वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच मंगलवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार तीसरे सत्र

में तेजी रही। मंगलवार को बीएसई का सेंसेक्स 597.67 अंक या 0.74 प्रतिशत उछलकर 80,845.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 701.02 अंक या 0.87 प्रतिशत बढ़कर 80,949.10 अंक पर पहुंचा। एनएसई निफ्टी 181.10 अंक या 0.75 प्रतिशत बढ़कर 24,457.15 अंक पर पहुंच गया। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया तीन पैसे चढ़कर 84.69 (स्थायी) प्रति डॉलर पर। सेंसेक्स के 30 शेयरों वाले शेयरों में से अदानी पोर्ट्स में करीब 6 फीसदी की तेजी आई।



